राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 16 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–173 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

म.प्र. धार भोजशाला

एएसआई ने म.प्र. हाईकोर्ट में सौंपी 2000 पेज की रिपोर्ट

दावा- 94 टूटी प्रतिमाएं मिलना मंदिर होने का सबूत

भोपाल/इंदौर (एजेंसी)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार में स्थित भोजशाला की साइंटिफिक स्टडी कर 2,000 पेज की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी है। करीब तीन महीने चली इस स्टडी के दौरान हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने अपने-अपने दावे किए हैं। 22 जुलाई को हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी। दावा किया जा रहा है कि यहां 94 से ज्यादा क्षतिग्रस्त मूर्तियां बरामद की गई हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार जिले में स्थित भोजशाला का सर्वे पूरा कर अपनी दो हजार पेज की रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच को सौंप दी है। अब 22 जुलाई को इस मसले पर सुनवाई होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 23 साल पहले लागू की गई व्यवस्था को क्या हाईकोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर बदल देगा? इधर हिंदू पक्ष के वकील की ओर से दावा किया गया कि सर्वे के दौरान

कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो साबित करता है कि यहां मंदिर था।

धार जिले के इस 11वीं सदी में बने परिसर का विवाद नया नहीं है। हिंदू समुदाय भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है। मुस्लिम पक्ष कमाल मौला मस्जिद कहता है। हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस की याचिका पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को आदेश दिया था कि वह छह हफ्ते में भोजशाला परिसर की साइंटिफिक स्टडी कर अपनी रिपोर्ट सौंपे।

हिंदू पक्ष ने कहा-

हमारा पक्ष मजबूत, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे- हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एएसआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है। एएसआई रिपोर्ट ने हमारे केस को मजबूत किया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच के सामने हमने कहा था कि यह परिसर एक हिंदू मंदिर का है। इसका इस्तेमाल मस्जिद की तरह हो रहा है। 2003 में एएसआई ने जो आदेश पारित किया था, वह पूरी तरह गलत है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने एएसआई को साइंटिफिक स्टडी के निर्देश दिए थे। दो हजार पेज की रिपोर्ट में हमारा पक्ष मजबूत हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

नीट : सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर होंगी

- एनटीए की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले पर आज सुनवाई हुई। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने देश के सभी हाईकोर्ट में एनटीए के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं को ट्रांसफर करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है।

दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दायर की थीं। इनमें एजेंसी ने देश के सभी हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई की सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच ने की।

मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं

- कोर्ट ने 22 जुलाई तक कस्टडी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक बार फिर से जमानत नहीं मिली। सोमवार (15 जुलाई) को सीबीआई के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 22 जुलाई तक बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान सिसोदिया और अन्य आरोपियों को वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने सिसोदिया की ओर से पेश हुए एडवोकेट नितेश राणा की दलीलें सुनने के बाद मामले को 22 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। 6 जुलाई को सीबीआई ने सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था, जहां कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी थी।

राम को नेपाली बताने वाले ओली बने प्रधानमंत्री

- दो साल में तीसरी बार बदली नेपाल में सरकार

काठमांडू (एजेंसी)। भगवान राम को नेपाली बताने वाले केपी ओली आज नेपाल नए प्रधानमंत्री बन गए है। उन्हें आज राष्ट्रपति नेपाल के रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय में

प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई। ओली ने भारत समर्थक माने जाने वाले शेर बहादुर देउबा के साथ मिलकर गठबंधन की सरकार बनाई है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने 12 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे।

बारिश और बाढ़ ने मचाया हाहाकार

महाराष्ट्र के नासिक में फोर्ट पर फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू

उ.प्र.-बिहार में गंगा खतरे के निशान के करीब, मुंबई में गाड़ियां बही, 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मुंबई/पटना/लखनऊ/नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में तेज बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। नासिक के अंजनेरी फोर्ट में 10 से ज्यादा पर्यटक सीढ़ियों पर पानी के तेज बहाव में फंस गए। हालांकि, कुछ घंटों के बाद उन्हें वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया।

इसके अलावा रत्नागिरी और चंद्रपुर में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे इन जिलों में सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। खेड में दीवानखावटी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मलबे के कारण रेल सेवा बाधित हुई है। कई ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर चार से पांच घंटे लेट हैं।

- **उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ के हालात –** उधर, नेपाल से सटे इलाकों में तेज बारिश के कारण गंगा नदी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में खतरे के निशान के करीब बह रही है। उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ के हालात हैं।

इसकी चपेट में 97 गांव हैं। वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर में बाढ़ से 50 हजार की आबादी पानी में घिरी है। बिहार में गंगा के अलावा घाघरा, गंडक, बागमती, कमला बलान, कोसी, महानंदा और परमान नदी भी खतरे के निशान के करीब हैं।

- **म.प्र.समेत 20 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान–** मौसम विभाग ने 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ–मराठवाड़ा (महाराष्ट्र), छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराइकल, तटीय आंध्र प्रदेश, यानम, उत्तर कर्नाटक, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा हैं।
- **मुंबई में मलबे के कारण ट्रेनों के पहिए थमे–** महाराष्ट्र में ट्रैक पर मलबे के कारण मुंबई जाने वाली मांडवी एक्सप्रेस खेड स्टेशन पर रुकी।

- मुस्लिम लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया, कहा-

तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देना इस्लामी कानून के खिलाफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजाराभत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया है। एआईएमपीएलबी की वर्किंग कमेटी ने एक बैठक कर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर चर्चा की। इस बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें कहा गया कि यह फैसला 'शरिया' (इस्लामी कानून) के खिलाफ है। लिहाजा एआईएमपीएलबी सभी संभावित उपायों का पता लगाएगा जिससे सुप्रीम कोर्ट से इस फैसले को पलटने को कह सके। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार है। इसके लिए वह

याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने एक मुस्लिम युवक मोहम्मद अब्दुल समद की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह फैसला हर धर्म की महिलाओं पर लागू होगा। मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का उतना ही अधिकार है, जितना अन्य धर्म की महिलाओं को।जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने एक मुस्लिम युवक की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

तलाक घिनौनी चीज

शादी बनाए रखने की हर कोशिश होनी चाहिए– पर्सनल लॉ बोर्ड ने अपने प्रस्ताव में कहा कि बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि पैगंबर ने कहा था कि जिन चीजों को करने की इजाजत दी गई है, उसमें से तलाक सबसे घृणित चीज है। लिहाजा शादी के रिश्ते को बनाए रखने के लिए सभी वैध उपाय किए जाने चाहिए। साथ ही इसके बारे में कुरान में जो दिशानिर्देश दिए गए हैं, उनका पालन करना चाहिए।

देश का पहला हाइड्रोजन क्रूज पहुंचा काशी

वाराणसी-चुनार के बीच चलेगा 50 सीटर शिप; 2500 रुपए होगा टिकट, वेज फूड मिलेगा

वाराणसी (एजेंसी)। ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाला देश का पहला क्रूज वाराणसी पहुंच गया है। कोलकाता के कोच्चि शिपयार्ड से जलमार्ग के जरिए शिप देर शाम नमो घाट पहुंचा। पर्यटन विभाग की निगरानी में रामनगर मल्टी-मॉडल टर्मिनल राल्हूपुर में खड़ा किया गया। यहीं पर शिप की सजावट और लाइटिंग का काम किया जाएगा।

यह डबल डेकर कैटामरान क्रूज जून के अंतिम सप्ताह में कोलकाता से चला था। रास्ते में कम पानी होने की वजह से उसे कई जगह रोकना पड़ा। इसके चलते जलयान को आधा सफर पूरा करने में ज्यादा समय लगा।

50 सीटर शिप वाराणसी से चुनार के बीच चलेगा– इस जलयान को पर्यटन विभाग वाराणसी से मिर्जापुर के चुनार के बीच करीब 15 किमी की दूरी में चलाएगा। यात्रा का समय सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक है। यात्रा नमो घाट से शुरू होगी। 2500 रुपए प्रति व्यक्ति किराया प्रस्तावित है। हालांकि अभी इस पर अंतिम मुहर लगनी बाकी है।

पर्यटकों को दी जाएगी ऐतिहासिक जानकारी– रास्ते में पर्यटकों को गंगा घाट, शूलटंकेश्वर मंदिर समेत कई ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद सैलानियों को चुनार किला ले जाया जाएगा, जहां पर गाइड किले के इतिहास से रुबरू कराएंगे।

यहां 6 महीने ट्रायल कोच्चि शिपयार्ड करेगा

कोच्चि शिपयार्ड से हाइड्रोजन क्रूज को पेरियार–3 और फेसकी–2 क्रूज के साथ रवाना किया गया था। जलयान समुद्र के रास्ते कोलकाता फिर कोलकाता से गंगा के रास्ते लंबी दूरी तय कर वाराणसी पहुंचा। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, कोच्चि शिपयार्ड इसे छह महीने ट्रायल के तौर पर चलाएगा। अपने स्तर से हाइड्रोजन गैस की व्यवस्था करेगा। ट्रायल पूरा होने के बाद जलयान को पर्यटन विभाग अपनी निगरानी में संचालित करेगा। किराया और रूट निर्धारण किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक इंजन से भी लैस है क्रूज

यह शिप पूरी तरह हाइड्रोजन फ्यूल से चलेगा, लेकिन हाइड्रोजन खत्म होने या कुछ खराबी आने पर विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक इंजन भी लगाया गया है।

संसद सुरक्षा चूक केस

दिल्ली पुलिस ने दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल

आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत चलेगा केस

कर दी है। इस मामले में अब आरोपियों को दो अगस्त को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सुनवाई होगी। इस मामले में दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी आरोपियों के खिलाफ

यूएपीए के तहत केस चलाने की मंजूरी दी है। अब पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दायर कर दिया है।

1000 पन्नों का आरोप पत्र दायर – दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सात जून को इस मामले में गिरफ्तार सभी छह आरोपियों मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के खिलाफ करीब 1000 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया था।

राज्यसभा में भाजपा के लिए अब ये कदम उठाना हुआ जरूरी, घट गई ताकत

भाजपा के चार मनोनीत सदस्य सेवानिवृत्त होने से पार्टी को हुआ नुकसान

राज्यसभा में एनडीए के सदस्यों की संख्या 101 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सत्ताधारी भाजपा की ताकत अब कम हो गई है। भाजपा के चार मनोनीत सदस्य शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए, जिससे पार्टी के सदस्यों की संख्या अब 86 रह गई। वहीं एनडीए के सदस्यों की संख्या 101 रह गई।

मित्र दलों के भरोसे पार्टी– वर्तमान में राज्यसभा की कुल क्षमता 19 खाली सीटों के साथ 226 सीटों की है। हालांकि, एनडीए आगामी बजट सत्र के दौरान सात गुटनिरपेक्ष मनोनीत सदस्यों, दो निर्दलीय और एआईएडीएमके और वाईएसआरसीपी जैसे मित्र दलों के समर्थन से सदन में महत्वपूर्ण विधेयक पारित करा सकता है।

ये कदम उठाना भाजपा के लिए जरूरी– बता दें कि कुल खाली 19 सीटों में से 4 सीटें जम्मू-कश्मीर की हैं और वहां विधानसभा चुनाव के बाद ही राज्यसभा चुनाव होंगे। चार सीटें नामित सदस्यों की खाली है। दूसरी ओर, 11 सीटों पर चुनाव होना है। इसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, त्रिपुरा, राजस्थान, हरियाणा और असम शामिल हैं।

इस बीच भाजपा के लिए मनोनीत श्रेणी के तहत खाली सीटों को जल्द से जल्द भरना जरूरी होगा। एनडीए की मित्र पार्टियों पर निर्भरता को कम करने के लिए ये महत्वपूर्ण होगा।

ये सांसद हुए सेवानिवृत्त

चार मनोनीत सदस्य जो सेवानिवृत्त हुए हैं उनमें राकेश सिन्हा, राम शकल, सोनल मानसिंह और महेश जेठमलानी शामिल हैं। राज्यसभा में मनोनीत होने के बाद इन नेताओं ने औपचारिक रूप से भाजपा का साथ दिया था।

रूस और ऑस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नई उड़ान

ललित गर्ग

भारत पर दुनिया का बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत शांति एवं अयुद्ध का हिमायती है। हम तो पहले ही यह कह चुके हैं कि भारत बुद्ध-महावीर-गांधी का देश है और इसकी विदेश नीति भी इनसे प्रेरणा लेकर ही तय होती रही है। बदलते वैश्विक सन्दर्भों के बावजूद भारत आपसी शान्ति, अहिंसा, युद्धमुक्त विश्व-संरचना व सह अस्तित्व पर ही विश्वास रखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ-साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व-नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है।

निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत-रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत-रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है।

यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवीय नहीं रही।

अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।

एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ-व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो ध्रुवीय विश्व व्यवस्था के बाद एक धुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है। वैसे भी भारत एक बड़े देश के पाले में कभी नहीं रहा। अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है।

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमरीका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें। यही वजह है कि राष्ट्रपति पुतिन को मोदी ने शांति का पाठ पढ़ाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। भारत की इस भूमिका के बीच अब अमरीका भी यह कहने में संकोच नहीं कर रहा है कि भारत को यूक्रेन युद्ध रोकने की पहल करनी चाहिए। फिलहाल शांति के पक्षधर अन्य देश भारत के साथ मिलकर रास्ता खोजने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया का रूस और यूक्रेन के बीच संभावित समझौता वार्ता का मंच बनने की इच्छा जाहिर करना यही बताता है।

भारत अहिंसा एवं शांति का हिमायती का देश है और मानता है कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। युद्ध केवल बर्बादी और तबाही लेकर ही आता है। रूस व यूक्रेन के बीच जो सीमा विवाद है वह इन देशों के बीच का मामला है और भारत शुरू से ही कहता रहा है कि इस समस्या का हल केवल बातचीत से ही होना चाहिए। श्री मोदी ने रूस की यात्रा के दौरान भी भारत का यही रुख सामने रखा और स्पष्ट किया कि किसी भी झगड़े को निपटाने का रास्ता केवल वार्तालाप ही हो सकता है। श्री मोदी ने रूस से आस्ट्रिया पहुंच कर भी इस रुख को और खोला और कहा कि भोले-भाले लोगों की हत्या कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के सन्दर्भ में इस तथ्य को अमेरिका को ही सबसे पहले समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा से क्या चीन की बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं पर असर पड़ेगा? क्योंकि रूस एवं चीन के बीच बढ़ती मित्रता एवं प्रगाढ़ता समूची दुनिया के लिये एक चिन्ता का सबब है। भले ही अमरीका की ताकत को देखते हुए रूस ने चीन से निकटता बनाई हो, लेकिन भारत से उसकी दोस्ती इन सबसे ऊपर है। फिर भी चीन एवं पाकिस्तान भारत के दुश्मन ही रहे हैं। इन हालातों के बीच मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के भाग्य के लिए नये सूर्य का उदय कही जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की जितनी महत्वपूर्ण यात्रा रूस की रही, उतनी ही महत्वपूर्ण ऑस्ट्रिया की यात्रा भी रही। मोदी ने पाकिस्तान के साथ चीन को भी निशाने पर लेते हुए पुतिन से कहा कि चीन जहां पाकिस्तान के आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। अब मोदी की इन बातों का पुतिन पर क्या असर होगा, यह भविष्य के गर्भ में है।

जहां तक रूस से मित्रता का सवाल है तो यह भारत का परखा हुआ सच्चा मित्र है और भारत यह दोस्ती कभी नहीं छोड़ सकता। पिछले दो दशकों में हमारे सम्बन्ध अमेरिका से भी मधुर हुए हैं परन्तु हमारी विदेश नीति पूरी तरह स्वतन्त्र है और दुनिया का कोई भी देश इसे प्रभावित नहीं कर सकता। भारत के द्विपक्षीय सम्बन्ध किस देश के साथ कैसे हैं यह केवल भारत ही तय करेगा। अमेरिका हमें रूस-यूक्रेन के बारे में क्या समझायेगा? भारत पर दुनिया का बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत शांति एवं अयुद्ध का हिमायती है। हम तो पहले ही यह कह चुके हैं कि भारत बुद्ध-महावीर-गांधी का देश है और इसकी विदेश नीति भी इनसे प्रेरणा लेकर ही तय होती रही है। बदलते वैश्विक सन्दर्भों के बावजूद भारत आपसी शान्ति, अहिंसा, युद्धमुक्त विश्व-संरचना व सह अस्तित्व पर ही विश्वास रखता है। दुनिया की महाशक्तियों द्वारा भारत को तवज्जो देने के पीछे जिन वजहों को देखा जा रहा है, उनमें व्यापारिक प्रगति के साथ शांति एवं अमन-चैन की दुनिया बनाना भी मुख्य है। निश्चित ही मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के लिये 'सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना' एवं 'परिवर्तनकारी क्षण' साबित होगा।

संपादकीय

एनड़ीए को झटका

देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के शनिवार को आए नतीजों में 'इंड़िया' गठबंधन के घटक दलों ने भाजपा को करारा झटका देते हुए 10 सीटें जीत लीं। भाजपा दो सीट ही जीत सकी जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई। पश्चिम बंगाल की चारग हिमाचल प्रदेश की तीनग उत्तराखंड़ की दो, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक सीट के लिए चुनाव हुआ था। इंड़िया गठबंधन में शामिल कांग्रेसग 'आप', टीएमसी और द्रमुक ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। नतीजों से इंड़िया गठबंधन के घटक दल गद्गद् हैं, और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा कि लोगों ने भाजपा के अहंकारग

कुशासन और नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है और नतीजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की गिरती राजनीतिक साख का प्रमाण हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट करके इन नतीजों पर मतदाताओं का आभार जताया है। खास बात यह रही कि उत्तराखंड़, हिमाचल और पंजाब में जनता ने पाला बदलने वाले नेताओं को नकार दिया। उत्तराखंड़ की दोनों सीटें कांग्रेस ने जीत लीं। सर्वाधिक चर्चा प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनाथ सीट की है, जहां कांग्रेस अपनी सीट बरकरार रखने में सफल रही। यहां भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े राजेंद्र सिंह भंड़ारी कांग्रेस के सिटिंग विधायक थे लेकिन पाला बदल कर भाजपा में जा मिले। भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बना दिया लेकिन कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला ने उन्हें पराजित कर दिया। हिमाचल प्रदेश में भी रोचक परिदृश्य उभरा है। देहरा सीट से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी कमलेश जीतीं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को हराया। प्रदेश में पहली बार होगा जब पति-पत्नी सदन में साथ होंगे। कांग्रेस के विधायक 40 हो गए हैंग जबकि भाजपा की 28 सीटें हैं। फरवरी में राज्य सभा चुनाव के वक्त विधायकों की बगावत से कांग्रेस की सरकार पर संकट के बादल मंड़राने लगे थेग जो टल गया है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ के गढ़ माने जाने वाले छिंदवाड़ा क्षेत्र में भाजपा ने कांग्रेस को फिर झटका देते हुए अमरवाड़ा सीट जीत ली। पश्चिम बंगाल में दीदी का जलवा कायम है, और टीएमसी ने चारों सीटें जीत लीं। भाजपा से तीन सीटें छीनी हैं। बेशक, नतीजे भाजपा के लिए खतरे की घंटी हैं, जिनका उप्र में विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव तथा हरियाणाग महाराष्ट्र और झारखंड़ के आसन्न असेंबली चुनाव पर निश्चित असर दिखेगा।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं- हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

आपातकाल विमर्श यानी गड़े मुर्दे उखाड़ना ?

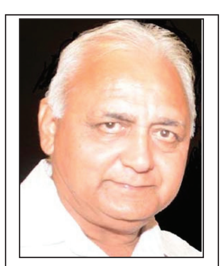

तनवीर जाफ़री

केंद्र की एन डी ए सरकार ने प्रत्येक वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने सम्बन्धी अधिसूचना जारी की है। केंद्र सरकार की इस इस अधिसूचना के अनुसार 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी, उस समय की सरकार ने सत्ता का घोर दुरुपयोग किया था और भारत के लोगों पर ज़्यादतियां और अत्याचार किए लिहाज़ा हर साल 25 जून को देश उन लोगों के महान योगदान को याद करेगा, जिन्होंने 1975 के इमरजेंसी के अमानवीय दर्द को सहन किया था। केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के फ़ैसले को पूरी तरह राजनैतिक, द्वेषपूर्ण व रक्षात्मक कहना ग़लत नहीं होगा। क्योंकि केवल इंदिरा गांधी ही नहीं बल्कि मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी व राहुल गाँधी जैसे कांग्रेस के सर्वोच्च नेता इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि देश में 1975 में आपातकाल लगाने का फ़ैसला एक ग़लती थी। 12 जून, 1975 को जब इंदिरा गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रायबरेली में हुए चुनाव के दौरान की गई गड़बड़ी का दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदख़ल कर दिया था। इलाहबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गाँधी का चुनाव निरस्त करते हुये अगले 6 वर्षों तक उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी थी। उसके बाद ही जयप्रकाश नारायण द्वारा इंदिरा गाँधी के इस्तीफ़े की मांग को लेकर संपूर्ण क्रांति के नाम से राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ दिया गया था और देश भर में प्रदर्शन शुरू हो गए थे। हालांकि 24 जून, 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट का फ़ैसला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो वहां भी इलाहबाद हाई कोर्ट के फ़ैसले को तो ज़रूर बरक़रार रखा गया परन्तु इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बने रहने की इजाज़त दे दी गई। उसके बावजूद अपना पद खोने के भय से इंदिरा गाँधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा कर डाली। हालाँकि कहा यह जाता है कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रॉय ने उस समय आपातकाल की घोषणा के निर्णय में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आपातकाल का निर्णय दरअसल रॉय का ही निर्णय था। रॉय के फ़ैसले पर ही इंदिरा गांधी ने हामी भरी और उन्हीं की सलाह पर उसे लागू भी किया। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी अपनी एक किताब में भी लिख चुके हैं कि 'वास्तव में इंदिरा गांधी ने मुझे बाद में बताया कि उन्हें आपातकाल की घोषणा के लिए संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी भी नहीं थी'।

अब यदि हम आपातकाल से ठीक पहले यानी 1974-75 के दौर को याद करें तो वह रेल आंदोलन,चक्का जाम,तालाबंदी और राष्ट्र व्यापी धरने, प्रदर्शनों का दौर था। इसी दौरान 2 जनवरी 1975 को रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर उस समय कर दी गयी थी जब वे समस्तीपुर- दरभंगा ब्रॉड गेज रेलवे लाइन प्रारम्भ करने की घोषणा सम्बन्धी एक कार्यक्रम में वहां एक मंच पर मौजूद थे। यहां हुये एक शक्तिशाली बम विस्फ़ोट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए बाद में अगले दिन दानापुर के रेलवे अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद देश की किसी सबसे बड़ी राजनैतिक हस्ती की यह दूसरी हत्या थी। इन्हीं विषम परिस्थितियों में 25 जून, 1975 को राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर डाली। आपातकाल के दौरान चुनाव स्थगित हो गए थे तथा नागरिक अधिकारों को समाप्त करके मनमानी की गई थी। और हर छह महीने बाद 1977 तक आपातकाल की अवधि बढ़ाई जाती रही। प्रेस पर सेंसरशिप लग गयी थी। बाद में 18 जनवरी, 1977 को इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग करने और मार्च 77 में ही आम चुनाव कराये जाने की घोषणा करते हुये आपातकाल के दौर में जेलों में बंद किये गये सभी नेताओं को रिहा कर दिया। और 23 मार्च, 1977 को आपातकाल समाप्त करने की घोषणा कर दी गयी।

परन्तु सवाल तो यह है कि 50 वर्ष पूर्व के उस इतिहास को आज और इस समय खंगालने की ज़रुरत भाजपा को क्यों महसूस हुयी ? 2014 से सत्ता में रहते हुये पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फ़ैसला क्यों नहीं लिया? और एक सवाल यह भी कि यदि देश की जनता आपातकाल से इतना ही दुखी थी और इंदिरा गांधी की तानाशाही से वास्तव में तंग आ चुकी थी तो उसी देश की जनता ने मात्र ढाई वर्ष बाद 1979 में इंदिरा गाँधी को पुनः सत्ता क्यों सौंपी ? जिस दर्द को मुट्ठी भर भुक्तभोगी नेता शायद सिर्फ़ इसलिये याद कर रहे हैं कि 19 महीनों के मीसा काल में उन्हें जेलों में डाल दिया गया, कुछ पर अत्याचार किया गया,उनके निजी स्वतंत्र जीवन के ऐश ो आराम को भांग किया गया, उसी दर्द को देश की जनता ढाई वर्षों में ही कैसे भुला बैठी ? बल्कि 1977 में लोकसभा चुनाव में पराजित होने के केवल एक वर्ष में ही नवंबर, 1978 में इंदिरा इंदिरा गांधी ने चिकमंगलूर लोकसभा उपचुनाव में 77,333 मतों के अंतर से जीत कर अपनी लोकप्रियता का लोहा मनवाया ? तो जब देश की जनता ने कांग्रेस के ऊपर आपातकाल का मतलब संविधान की हत्या का लेबल नहीं चिपकाया तो भाजपा नेता आख़िर किस साज़िश के तहत सत्ता में आने के दस वर्षों बाद 50 वर्ष पुराने उस गड़े मुर्दे को उखाड़ रहे हैं जिसे देश भुला चुका है ?

दरअसल भाजपा इस समय विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की संविधान बचाओ-देश बचाओ मुहिम से घबराया हुआ है। उसे यह एहसास हो चुका है कि देश की जनता ने कई भाजपा नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से बोले जा रहे संविधान विरोधी बयानों को गंभीरता से लिया है और ऐसे कई उम्मीदवारों को पराजित भी किया है। विपक्ष की संविधान बचाओ की इसी सफल मुहिम ने भाजपा को 2019 में हासिल 303 सीटों से घटाकर 240 तक पहुंचा दिया है। इसी चुनाव परिणाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल में संसद में प्रवेश के पहले ही दिन संविधान को माथे से लगाने का प्रदर्शन करने पर मजबूर किया। आपातकाल का एक पक्ष यह भी कि उस दौरान देश के सभी सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर हाज़िरी हो रही थी।

ट्रेनें बसें सब समयानुसार सुचारु रूप से संचालित हो रही थीं। आम जनता को इससे लाभ मिल रहा था। इन सबके बावजूद जब कांग्रेस के सभी आला नेताओं ने आपातकाल के अपने ही फ़ैसले को ग़लत स्वीकार कर लिया फिर इस बहस को तो बंद हो जाना चाहिये ? परन्तु अपने ऊपर लग चुके संविधान विरोधी होने के आरोपों से बचने के लिये भाजपा 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फ़ैसला लेने सम्बन्धी अधिसूचना जारी कर व इस पर विमर्श कर केवल गड़े मुर्दे उखाड़ने की कोशिश कर रही है।

मुद्दाः जनसंख्या समस्या और समाधान

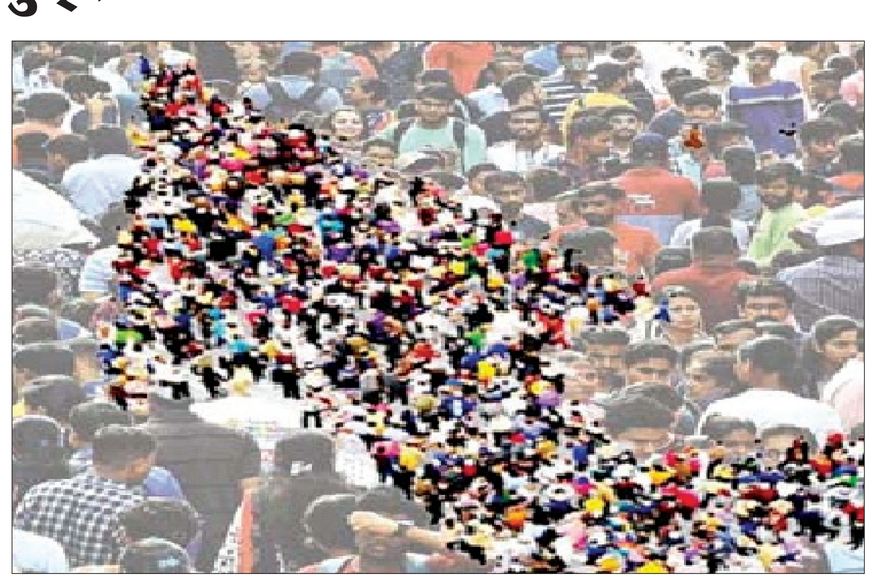

डॉ. असद रजा

जुलाई 12 से 31 तक विश्व में विशेष रूप से हमारे देश में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसमें जनसंख्या को बढ़ने से रोकने के लिएजागरूकता रैलियां निकाली जा रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की समस्या के समाधान के बारे में विभिन्न राजनीतिक दलों के बयान आए हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा भाजपा बिहार के राज्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए परंतु एनडीए के घटक दल जदयू के नेता इस बारे में कठोर कानून बनाने का समर्थन नहीं करते क्योंकि उन्हें दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बिदकने का भय है।

वास्तव में जदयू और टीडीपी जैसे मोदी सरकार के घटक दलों को चिंता है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून का समर्थन करने से उनका मुस्लिम और दलित वोट खिसक सकता है। इसलिए ये दल परिवार नियोजन के लिए जन-जागरूकता पर बल देते हैं। कुछ अति धर्मभीरु और मजहबी लोग बच्चों को अल्लाह की देन समझते हैं। मानते हैं कि अन्न-भोजन देने की जिम्मेदारी अल्लाह ने ले रखी है। इसलिए जनसंख्या को रोकने के लिए कठोर कानून की जरूरत नहीं है परंतु यह तर्क नहीं, कुतर्क है। ऐसा होता तो अफ्रीका आदि क्षेत्रों में लोग भूख से क्यों मरते? निश्चय ही हमारा देश विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। हमने इस मैदान में चीन को भी पछाड़ दिया है, और आज एक अरब 45 लाख से अधिक आबादी का बोझ उठा रहे हैं। बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण तथा अपराध में वृद्धि का एक प्रमुख कारण आबादी में भारी इजाफा भी है। देश में बढ़ती सांप्रदायिकता और घृणा का एक बड़ा कारण भी जनसंख्या में वृद्धि है। बहुसंख्यक हिन्दू आबादी मुसलमानों की बढ़ती आबादी को खतरा मानती है। उनमें से कुछ का यह भी मानना है कि भविष्य में भारत भी पाकिस्तान की भांति इस्लामी राष्ट्र बन सकता है। यद्यपि यह काल्पनिक भविष्याणी है क्योंकि देश में मुसलमानों में भी बच्चों की जन्म दर कम हुई है परंतु हिन्दुओं में यह दर अधिक कम हुई है। कई अदूरदर्शी मौलवी तथा मुस्लिम नेता भी जनसंख्या रोकने के लिए कड़े कानून का विरोध करके हिन्दुओं की आशंका को मजबूत करते हैं। भाजपा सहित संघ परिवार के सभी संगठन तथा उदारवादी मुसलमान जनसंख्या नियंत्रण कानून के पक्षधर हैं परंतु इस तथ्य की भी अवहेलना नहीं की जा सकती कि उच्च और मध्यम वर्ग के हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन के परिवार साधारणतया दो या तीन बच्चों तक सीमित होते हैं क्योंकि उन्हें अपने बालकों को उत्तम शिक्षा दिला कर सफल नागरिक बनाना होता हैग उन्हें पौष्टिक भोजन तथा साफ-सुथरा घर और वस्त्र उपलब्ध कराने होते हैं जबकि निम्न वर्ग के लोग चूंकि अशिक्षित या अर्धशिक्षित होते हैं, और उनके लिए मनोरंजन का एकमात्र साधन सैक्स होता है। अतः वे अधिक बच्चे पैदा करते हैं तथा उन्हें उनकी शिक्षा दीक्षा की चिंता नहीं होती अपितु वे अपने आठ दस वर्ष के बालक को किसी ढाबे पर काम पर लगा देते हैं, और बालक आतथक रूप से आत्मनिर्भर हो जाता है। चूंकि मुसलमान, दलित और आदिवासी ही अधिकतर गरीब और आतथक-सामाजिक रूप से पिछड़े होते हैं, इसलिए उनके ही अधिक बच्चे होते हैं। निस्संदेह मोदी सरकार को कठोर जनसंख्या कानून बनाना चाहिए परंतु कटु सत्य यह भी है कि संसद में ऐसा सख्त कानून पास कराना कठिन होगा क्योंकि मौजूदा संसद में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है। इसलिए कोई कानून पास कराने के लिए उसे सहयोगी दलों विशेष रूप से जदयू और टीडीपी का समर्थन लेना होगा परंतु दोनों दल मुस्लिम और दलित वोटर को श्ष्टि में रखते हुए कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून को शायद समर्थन न दें।

इसलिए इस कानून को भाजपा शासित प्रदेशों उत्तर प्रदेशग मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, उत्तराखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि की विधानसभाओं में पास कराके सख्ती से लागू कराना होगा। प्रावधान करना होगा कि कानून लागू होने के बाद राशन कार्ड केवल चार व्यक्तियों यानी माताग पिता व दो बच्चों का ही बनेगा और दो बच्चों को जन्म देने के पश्चात पति या पत्नी में से किसी एक को नसबंदी करानी होगी अथवा लिखित में सरकार को आश्वासन देना होगा कि भविष्य में तीसरा बालक पैदा नहीं करेंगे। तीसरा बच्चा पैदा करने वाले माता-पिता को चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होगा। वैसे राजस्थान में कानून है कि दो से अधिक बच्चों वाले माता-पिता को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार को यह कानून तो बनाना ही चाहिए कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रति दिन सुबह, दोपहर और रात्रि में दस सेकंड़ का परिवार नियोजन से संबंधित सरकार द्वारा तैयार किया हुआ विज्ञापन आवश्यक रूप से दिखाए तथा हर भाषा के दैनिक अखबार को परिवार नियोजन का विज्ञापन अनिवार्य रूप से प्रकाशित करना होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 145 , निफ्टी 84 अंक ऊपर आया

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिंग शेयरों में खरीददारी बढ़ने और विदेशी कोषों के प्रवाह से बाजार में ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 145.52 अंक करीब 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,664.86 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.55 अंक तकरीबन 0.35 फीसदी बढ़कर 24,586.70 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 132.9 अंक करीब 0.54 फीसदी बढ़कर 24,635.05 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एसबीआई, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम और आईटीसी सेंसेक्स के शीर्ष-5 सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, मारुति, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एलएंडटी और रिलायंस के शेयर भी बढ़े हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान में रहे। एशियन पेंटर्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इसके अलावा टीसीएस, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर नीचे आये। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और शंघाई ऊंचे स्तर पर पहुंचे जबकि हांगकांग का बाजार गिरा है। यूरोपीय बाजार भी नीचे आये हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,021.60 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में उछाल आया। इस दौरान निफ्टी अपने नए सर्वकालिक शीर्ष स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 290 अंक उपर आया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में तीन फीसदी से अधिक की तेजी आई।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.55 डॉलर पर

मुंबई । विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.55 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी के प्रवाह से रुपये को समर्थन मिला और गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.53 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.55 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.21 पर रहा।

सोना 73,150 और चांदी 92,850 रुपए के करीब

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की भी शुरुआत सुस्त रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 164 रुपये की गिरावट के साथ 73,105 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 126 रुपये की गिरावट के साथ 73,143 रुपये के भाव पर

कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 206 रुपये की गिरावट के साथ 92,903 रुपये पर खुला। इस समय यह 267 रुपये की गिरावट के साथ 92,842 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2419.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,420.70 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,414.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.10 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.16 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 31.08 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वीरहेल्थ केयर को 100 करोड़ का राजस्व प्राप्त करने की उम्मीद

नई दिल्ली । वीरहेल्थ केयर को अगले दो से तीन साल में 100 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में यह बात कही। बयान में कहा गया ?कि कंपनी ने 50,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 41.50 लाख रुपये) मूल्य का निर्यात ठेका पूरा कर दिया है। इसके अलावा 197,793 अमेरिकी डॉलर (करीब 165 लाख रुपये) मूल्य का एक और निर्यात ठेका जुलाई के अंत तक पूरा कर दिया जाएगा। कंपनी के अनुसार कंपनी को शीर्ष अमेरिकी संस्थागत आपूर्तिकर्ता से 106,673 अमेरिकी डॉलर (करीब 89 लाख रुपये) का अतिरिक्त निर्यात ठेका भी मिला है। समझौते की शर्तों के तहत ठेका तीन महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। इसके अलावा उसने कहा कि उसे उसी शीर्ष अमेरिकी संस्थागत आपूर्तिकर्ता से मासिक रूप से दोबारा ठेका मिलने की उम्मीद है। कंपनी साथ ही गुजरात के वापी में अपने मौजूदा संयंत्र का नवीनीकरण कर रही है, ताकि एक बड़ा संयंत्र स्थापित किया जा सके जो अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएस एफडीए) तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुरूप होगा।

सेबी अगले माह सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की नीलामी करेगी

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, सन प्लांट बिजनेस लिमिटेड और सुमंगल इंडस्ट्रीज समेत सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की 12 अगस्त को नीलामी करेगा। यह कदम इन कंपनियों द्वारा निवेशकों से अवैध रूप

से एकत्र की गई धनराशि को वसूलने के सेबी के प्रयासों का हिस्सा है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुसार, नीलामी 12 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। सेबी ने सुमंगल इंडस्ट्रीज, सनहेवन एग्रो इंडिया, रविकिरण रियल्टी इंडिया, मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, पुरुषत्तम इन्फोटेक इंडस्ट्रीज, जीवन साथी ड्रीम प्रोजेक्ट्स और सन प्लांट बिजनेस तथा उनके प्रवेर्तकों/निदेशकों के खिलाफ वसूली कार्यवाही में संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित कीं। सेबी ने नीलामी में सहायता के लिए एड्रोइट टेक्निकल सर्विसेज को नियुक्त किया है।

एसबीआई ने दिया ग्राहकों को झटका... कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा दीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सस्ते कर्ज के इंतजार में बैठे लाखों लोगों को तगड़ा झटका लगा है। एसबीआई ने अपने कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बैंक ने बताया कि उसके इंटर्नल बेंचमार्क मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) को 5 से 10 आधार अंक बढ़ा गया गया है। नई ब्याज दरें 15 जुलाई से ही लागू हो चुकी हैं।

एसबीआई की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, बैंक ने 1 साल के लोन पर एमसीएलआर 0.10 फीसदी बढ़ा है, जो अब 8.85 फीसदी हो गया। इस तरह, 3 महीने के लोन पर एमसीएलआर 0.10 फीसदी बढ़कर 8.4 फीसदी, 6 महीने पर 0.10 फीसदी बढ़कर 8.75 फीसदी और 2 साल के लोन पर एमसीएलआर 0.10 फीसदी बढ़कर 8.95 फीसदी हो गया है। बैंक ने 3 साल के खुदरा लोन पर ब्याज बढ़ाकर 9 फीसदी किया है।

एसबीआई की ओर से बताया गया कि एमसीएलआर में बढ़ोतरी का असर बैंक के सभी ग्राहकों पर नहीं पड़ेगा। जैसा कि आपको पता है कि अब ज्यादातर खुदरा कर्ज को रेपो रेट जैसे बाहरी बेंचमार्क से जोड़ दिया गया है, जबकि कुछ पुराने कर्ज ही एमसीएलआर से जुड़े हैं। इसके बाद एमसीएलआर में बढ़ोतरी का असर सिर्फ उन्हीं ग्राहकों पर होगा, जिनके कर्ज आज भी बैंक के आंतरिक बेंचमार्क से जुड़े हैं।

अगर किसी व्यक्ति ने 30 लाख रुपये का लोन 20 साल के लिए उठाया था तब उस पिछले महीने तक 8.90 फीसदी की दर से ईएमआई चुकानी थी। यह हर महीने 26,799 रुपये बैठती थी। इस ब्याज पर 20 साल में 34,31,794 रुपये ब्याज के रूप में चुकाने थे। अब बैंक ने ब्याज बढ़ाकर 9 फीसदी किया हैं, तब अगले महीने से ईएमआई 26,992 रुपये होगी। इसका मतलब हुआ कि हर महीने ईएमआई में 193 रुपये की बढ़ोतरी और सालभर में 2,316 का बोझ बढ़ेगा।

महंगाई ने तोड़ी कमर, चौथे महीने बढ़कर 3.36 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। जून में थोक मूल्य मुद्रास्फीति की दर लगातार चौथे महीने बढ़कर 3.36 फीसदी पहुंच गई। यह दर 16 महीने का उच्चतम स्तर पर है। फरवरी 2023 में थोक महंगाई 3.85 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर अगस्त 2023 के बाद पहली बार 10 फीसदी से ऊपर चली गई लगातार तीसरे महीने जून में यह 10.87 फीसदी रही। वहीं प्याज के दामों जून 2023 के मुकाबले 93.35 फीसदी की वृद्धि हुई। आलू के दाम 66.37 फीसदी और सब्जियों के दामों 38.76 फीसदी बढ़ोतरी हुई। फलों के दाम भी 10.14 फीसदी बढ़े। दालों के दाम भी 21.64 प्रतिशत बढ़े। धान की थोक महंगाई दर 12 फीसदी से ज्यादा रही जबकि मोटे अनाज नौ फीसदी और गेहूं छह फीसदी से ज्यादा महंगा हुआ। आंकड़ों के मुताबिक कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के दाम में एक साल पहले के मुकाबले 12.55 फीसदी बढ़े। इसमें कच्चे तेल की कीमत 14 फीसदी से ज्यादा रही। खनिजों के दाम करीब 10 फीसदी बढ़े। रसोई गैस जहां 1.49 फीसदी महंगी हुई है, वहीं पेट्रोल की कीमत में 1.35 फीसदी और डीजल में 1.78 फीसदी की गिरावट आई। थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों में सबसे ज्यादा 64.23 फीसदी का भारांश विनिर्मित उत्पादों का है। इनकी महंगाई दर जून में 1.43 फीसदी रही। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में औसत थोक महंगाई दर 2.38 फीसदी रही। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह शून्य से 2.87 फीसदी रही।

अडाणी-हिंडनबर्ग पर सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के लिए बड़ा झटका है

वाशिंगटन, (एजेंसी)। विदेशी समूहों द्वारा भारत के उद्योगों के खिलाफ नकारात्मक अभियान चलाया जाना कोई नई बात नहीं है। नई बात यह है कि विदेशी समूहों के ऐसे अभियानों को भारत में विपक्ष का सहयोग और समर्थन मिल जाता है। याद कीजिये हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को आधार बना कर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने गौतम अडाणी समूह के खिलाफ संसद से सड़क तक कितना हंगामा किया था। कांग्रेस ने तो एलआईसी और एसबीआई के डूबने तक की भविष्यवाणी तक कर दी थी। अडाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जेपीसी जांच की मांग के चलते विपक्ष ने संसद का कीमती समय और करदाताओं की मेहनत का पैसा बर्बाद करने में कोई कोताही नहीं बरती थी। यह मामला उच्चतम न्यायालय भी गया था जहां विशेषज्ञ समिति की जांच से जो तथ्य सामने आये उससे प्रदर्शित हुआ कि आरोपों में कोई दम नहीं था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्यों भारत के एक प्रमुख उद्योग समूह के खिलाफ नकारात्मक अभियान चलाया गया? सवाल उठता है कि दुनिया में अमीरों की सूची में पहले नंबर के करीब पहुँच रहे गौतम अडाणी को पीछे धकेलने के अंतरराष्ट्रीय समूहों के प्रयासों को भारत से कुछ नेताओं ने क्यों समर्थन दिया?

हम आपको बता दें कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का अडाणी समूह के खिलाफ अभियान किस तरह हवा-हवाई था इसका अंदाजा आपको इसी से लग जायेगा कि उच्चतम न्यायालय ने अडाणी समूह पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी के संबंध में लगे आरोपों की जांच का जिम्मा सीबीआई या विशेष जांच दल को सौंपने से इंकार करने के अपने तीन जनवरी के फैसले की समीक्षा का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तीन जनवरी के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने वालों में शामिल अनामिका जायसवाल की तरफ से दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। हम आपको याद दिला दें कि पीठ ने पांच मई के अपने आदेश में कहा था, ''समीक्षा याचिका पर गौर करने के बाद रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नहीं दिखाई देती है। उच्चतम न्यायालय नियम 2013 के आदेश 47 नियम एक के तहत समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता है। लिहाजा समीक्षा याचिका खारिज की जाती है।'' इस याचिका पर न्यायाधीशों ने चैंबर में विचार किया।

इसके पहले इस साल तीन जनवरी को शीर्ष अदालत ने शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोपों की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने का आदेश देने से इंकार कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) आरोपों की 'व्यापक जांच' कर रहा है और इसका आचरण 'भरोसा जगाता है।' हम आपको बता दें कि समीक्षा याचिका में दावा किया गया था कि इस फैसले में 'गलतियां और त्रुटियां' थीं, और याचिकाकर्ता के वकील को हासिल कुछ नई सामग्री के आलोक में फैसले की समीक्षा के लिए पर्याप्त कारण थे। याचिका में कहा गया था कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में न्यायालय को केवल आरोपों के बाद की गई 24 जांच की स्थिति के बारे में सूचित किया था लेकिन उसने इनके पूरा होने या अधूरे होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि बाजार नियामक ने अडाणी समूह पर लगे 24 आरोपों में से 22 मामलों में अपनी जांच पूरी कर ली है। न्यायालय का तीन जनवरी का फैसला जनवरी, 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से अडाणी समूह पर लगाए गए गंभीर आरोपों के संदर्भ में आया था। हम आपको याद दिला दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर कीमतों में हेराफेरी सहित कई आरोप लगाए जाने के बाद अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को गलत बताते हुए खारिज कर दिया था।

थोक मुद्रास्फीति बढ़कर जून में 3.36 प्रतिशत पहुंची

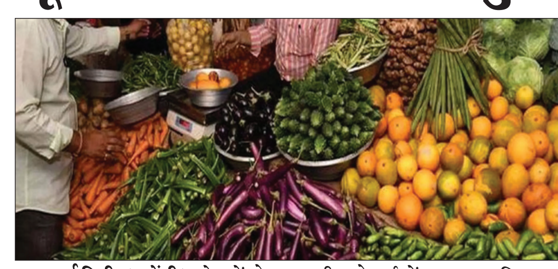

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में थोक मुद्रास्फीति जून में लगातार चौथे महीने बढ़कर 3.36 प्रतिशत हो गई। खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.61 प्रतिशत थी। जून 2023 में यह शून्य से 4.18 प्रतिशत नीचे रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा ?कि जून 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे रसायन तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि रही। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जून में 10.87 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मई में यह 9.82 प्रतिशत थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 प्रतिशत रही, जो मई में 32.42 प्रतिशत थी। प्याज की महंगाई दर 93.35 प्रतिशत रही, जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 प्रतिशत रही। दालों की महंगाई दर जून में 21.64 प्रतिशत रही। ईंधन और बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.03 प्रतिशत रही, जो मई में 1.35 प्रतिशत से थोड़ी कम है। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति जून में 1.43 प्रतिशत रही, जो मई में 0.78 प्रतिशत से अधिक थी। जून में थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अनुरूप थी। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य तौर पर खुदरा मुद्रास्फीति को ही ध्यान में रखता है।

बजट सत्र में पेश हो सकता है बीमा कानून संशोधन विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगामी बजट सत्र के दौरान बीमा अधिनियम, 1938 में संशोधन करने वाला विधेयक पेश कर सकती है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि संशोधन विधेयक में शामिल किए जाने वाले कुछ प्रावधानों में समग्र लाइसेंस, अंतर पूंजी, सॉल्वेंसी मानदंडों में राहत, कैप्टिव लाइसेंस जारी करना, निवेश नियमों में बदलाव, मध्यवर्तियों के लिए एकमुश्त पंजीकरण और बीमा कंपनियों को अन्य वित्तीय उत्पाद वितरित करने की अनुमति देना शामिल हैं। इस कदम से बैंकिंग क्षेत्र की तरह विभेदित बीमा कंपनियों के प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। बैंकिंग क्षेत्र को वर्तमान सार्वभौमिक बैंक, लघु वित्त बैंक और भुगतान बैंक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। समग्र लाइसेंस के प्रावधान से जीवन बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा या सामान्य बीमा पॉलिसियों को 'अंडरराइट' करने की अनुमति मिलेगी। बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियां केवल जीवन बीमा कवर ही दे सकती हैं, जबकि साधारण बीमा कंपनियां स्वास्थ्य, मोटर, आग लगने जैसे गैर-बीमा उत्पाद दे सकती हैं। इरडा बीमा कंपनियों के लिए समग्र लाइसेंसिंग की अनुमति नहीं देता है। इसके बाद एक बीमा कंपनी एक इकाई के रूप में जीवन और गैर-जीवन, दोनों उत्पाद नहीं दे सकती है।

सूत्रों ने बताया कि विधेयक का मसौदा तैयार है, इस मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के पास भेजा जाना है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, पॉलिसीधारकों को मिलने वाले रिटर्न में सुधार करने, अधिक प्रतिभागियों के प्रवेश को सुगम बनाने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, बीमा उद्योग की परिचालन और वित्तीय दक्षता बढ़ाने और कारोबारी सुगमता पर केंद्रित हैं।

ज़ोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल बनें अरबपति, स्टॉक ने अचानक भरा दम तो बढ़ गई नेटवर्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज़ोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल अब अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हो गए है। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो के शेयरों में अचानक आए उछाल के बाद दीपिंदर गोयल की संपत्ति में बेहताशा बढोतरी हुई है। कंपनी के शेयरों में सोमवार को उछाल आया, जिसके बाद कंपनी का शेयर 232 रुपते प्रति शेयर पर पहुंच गया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 52 सप्ताह के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए है।

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2023 से फर्म के शेयर में 300 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1.8 ट्रिलियन रुपये से अधिक हो गया और गोयल 41 वर्ष की आयु में अरबपति बन गए। सीईओ की कुल संपत्ति 8,300 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। वर्तमान में, उनके पास कंपनी में 4.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो 36.95 करोड़ शेयरों के बराबर है। कंपनी ने 2023 से शेयर बाजार में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। सोमवार को फर्म का बाजार पूंजीकरण 2 ट्रिलियन रुपये को पार कर गया।

कंपनी के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय इसकी त्वरित वाणिज्य इकाई, ब्लिंकिट की सफलता को दिया जा सकता है। इकाई के जल्द ही लाभदायक बनने की

उम्मीद है और ज़ोमैटो ने पहले कहा था कि ब्लिंकिट संभवतः 2024-25 वित्तीय वर्ष (FYwz) की पहली तिमाही तक ब्रेक-ईवन EBITDA प्राप्त कर सकता है। ब्लिंकिट की वृद्धि ने ज़ेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को भी पीछे छोड़ दिया है।

इससे कंपनी को निवेशकों के बीच सकारात्मक भावना बनाने में मदद मिली है। रिपोर्ट में गोल्डमैन Sachs के एक हालिया नोट का हवाला दिया गया है और कहा गया है कि ब्लिंकिट का निहित मूल्य अब ज़ोमैटो के मुख्य खाद्य वितरण व्यवसाय से अधिक है। Sachs को उम्मीद है कि ब्लिंकिट का सकल ऑर्डर मूल्य (जीओवी) 2023-24 वित्तीय वर्ष से 2026-27 वित्तीय वर्ष के दौरान 53 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा। इसके अलावा, 2028-29 वित्तीय वर्ष तक GOV और EBITDA के मामले में इकाई के खाद्य वितरण विंग से आगे निकलने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि ब्लिंकिट को 2022 में ज़ोमैटो ने खरीद लिया था। सोमवार को दोपहर 12:55 बजे तक कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 227.40 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था।

आ सकती हैं सीएनजी, फ्लेक्स-फ्यूल वाली और भी बाइक

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो के बाद टीवीएस मोटर जैसी बड़ी कंपनियां भी वाहनों में सीएनजी ईंधन के उपयोग पर विचार कर रही हैं। बजाज ऑटो ने भी दावा किया है कि फ्रीडम 125 की परिचालन लागत पेट्रोल से चलने वाली पारंपरिक बाइक के मुकाबले 50 फीसदी कम है।

टीवीएस मोटर के प्रवक्ता ने कहा, 'सभी प्रौद्योगिकी विकल्प (सीएनजी, ईवी, मल्टी-फ्यूल आदि) काफी दिलचस्प हैं और उसमें हमारी रुचि है।' मगर अधिकारी ने कहा कि कंपनी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि उसकी योजना एक अन्य ई-दोपहिया को बाजार में उतारने के अलावा एक पेट्रोल मॉडल और एक ई-तिपहिया लॉन्च करने की है। प्रवक्ता ने कहा, 'हम उस दिशा में काम कर रहे हैं। हमने इस साल टीवीएस आईक्यूब के कई वेरिएंट लॉन्च किए हैं। जहां तक प्रौद्योगिकी का सवाल है तो हम बुनियादी तौर पर यह देखते हैं कि टीवीएस वाहन मालिकों के लिए क्या अच्छा रहेगा।' दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल ऐंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) भी वैकल्पिक ईंधन पर बड़ा दांव लगा रही है। एचएमएसआई ने भारत मोबिलिटी एक्सपो के दौरान भारतीय बाजार के लिए विशेष रूप से विकसित अपनी फ्लेक्स-फ्यूल-पावर्ड बाइक का प्रदर्शन किया है। इस बाइक में 85 फीसदी तक एथनॉल मिलाया जा सकता है। एचएमएसआई के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) योगेश माथुर ने कहा कि उनकी कंपनी भी एक वैकल्पिक ईंधन रणनीति तैयार कर रही है।

हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तृत खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि वे ईवी और फ्लेक्स-फ्यूल विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बाद में हम इसके बारे में विस्तार से बताएंगे।' बजाज को अपनी सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 को विकसित करने में करीब डेढ़ साल लगे। कंपनी दावा करती है कि यह बाइक यह पेट्रोल से चलने वाली किसी भी बाइक के मुकाबले ईंधन लागत में 50 फीसदी की बचत करती है। इसमें 2 किलोग्राम का सीएनजी टैंक लगा है जो 200 किलोमीटर चलने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा 2 लीटर का अतिरिक्त पेट्रोल टैंक भी लगाया गया है।

कंपनी ने दावा किया है कि सीएनजी बाइक का इस्तेमाल करते हुए उपभोक्ता अपने ईंधन बिल पर सालाना करीब 15,000 रुपये की बचत कर सकते हैं। बजाज ऑटो न केवल सीएनजी स्टेशन नेटवर्क का विस्तार करने, बल्कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए ईंधन स्टेशनों पर दोपहिया वाहनों के लिए विशेष व्यवस्था करने के लिए तेल विपणन कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनियां स्वच्छ ईंधन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उदाहरण के लिए, फ्रीडम 125 बाइक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन को पेट्रोल के मुकाबले

26.7 फीसदी कम करती है। इसी प्रकार यह गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बन के उत्सर्जन को 85 फीसदी और नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन को 43 फीसदी कम करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैम्पियंस ट्रॉफी: बीसीसीआई लिखित में दे कि भारत सरकार ने पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी

कराची(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि बीसीसीआई इस बात का लिखित सबूत दे कि भारत सरकार ने अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए सुरक्षा कारणों से टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने यह बात कही। मेजबान बोर्ड चाहता है कि मामला जल्दी से सुलझाया जाए क्योंकि टूर्नामेंट अगले साल फरवरी मार्च में होना है।

आईसीसी की सालाना कांफ्रेंस 19 जुलाई को कोलंबो में होगी जिसमें 'हाइब्रिड मॉडल% पर चर्चा एजेंडे में नहीं है। इसके तहत भारतीय टीम अपने मैच यूएई में खेलेगी। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, 'अगर भारत सरकार ने अनुमति नहीं दी है तो उसे लिखित में देना होगा और बीसीसीआई को चाहिए कि आईसीसी को वह पत्र तत्काल दे।' उन्होंने कहा, 'हम लगातार कह रहे हैं कि बीसीसीआई पांच छह महीने पहले टूर्नामेंट के लिए टीम के पाकिस्तान जाने के बारे में आईसीसी को लिखित में सूचित करे।' बीसीसीआई हमेशा से कहता आया है कि पाकिस्तान में खेलने का फैसला सरकार का होगा और 2023 वनडे एशिया कप में भी भारत के मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले गए थे। पीसीबी ने चैम्पियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम का मसौदा आईसीसी को सौंप दिया है जिसमें भारत के सारे मैच, सेमीफाइनल और फाइनल लाहौर में होंगे। भारत और पाकिस्तान का मैच एक मार्च को होना है। टूर्नामेंट 19 फरवरी को कराची में शुरू होगा और फाइनल नौ मार्च को लाहौर में होगा। फाइनल में एक दिन रिजर्व का होगा। बीसीसीआई सूत्रों की माने तो टीम पाकिस्तान नहीं जाने वाली और ऐसी दशा में आईसीसी प्रबंधन अतिरिक्त बजट आवंटन कर सकता है।

अल्काराज ने लगातार दूसरे विम्बलडन फाइनल में जोकोविच को हराया, जीता चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब

लंदन (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने यहां सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच को 6-2, 6-2, 7-6 से हराकर 21 साल की उम्र में लगातार दूसरा विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किया। यह ऑल इंग्लैंड क्लब के घसियाले कोर्ट पर पिछले साल के फाइनल मैच का दोहराव था जिसमें अल्काराज ने पांच सेट में जोकोविच को हराया था। सेंटर कोर्ट पर रविवार को खेला गया फाइनल अल्काराज के लिए काफी आसान रहा जिसमें दर्शकों में कैंसर का उपचार करा रही ब्रिटेन की वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थीं।

अल्काराज सिर्फ तीसरे सेट में 5-4 पर जीत के लिए सर्विस करते समय तीन मैच प्वाइंट बरकरार रखते समय लड़खड़ाये। पर उन्होंने खुद को संभाला और पिछले महीने फ्रेंच ओपन में मिली जीत के बाद लगातार दूसरी ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीती। स्पेन के इस खिलाड़ी ने 2022 अमेरिकी ओपन में किशोर के तौर पर अपना पहला स्लैम खिताब जीता था। किसी भी खिलाड़ी ने 22 साल का होने से पहले उनसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं जीते हैं। इससे मेजर फाइनल्स में उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया।

वहीं 37 वर्षीय जोकोविच अपने आठवें विम्बलडन और 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब से चूक गये। वह सर्जरी हुए घुटने पर पट्टी लगाये थे। तीन जून को रोलां गैरों में उनके घुटने में चोट लगी थी और दो दिन बाद ही उनकी सर्जरी हुई थी। करीब छह हफ्ते बाद भी जोकोविच रविवार को फॉर्म में नहीं दिखे।

भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है लेकिन बदलाव धीरे-धीरे होना चाहिए: राठौड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवर्तमान बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को पता है कि निकट भविष्य में बदलाव का मुश्किल दौर भारत का इंतजार कर रहा है लेकिन उपलब्ध प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ काम करने के बाद उनका मानना है कि टीम इससे निपटने में सक्षम है, बशर्ते यह 'नियंत्रित तरीके से और धीरे-धीरे' होना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा फिलहाल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे लेकिन अगले कुछ वर्षों में बदलाव का दौर आएगा जब ये अपने करियर के अंतिम चरण में होंगे।

पूर्व चयनकर्ता राठौड़ ने कहा, 'रोहित और विराट की क्षमता के खिलाड़ियों की जगह लेना कभी आसान नहीं होता। हाल में (रविवार को) जिम्बाब्वे के खिलाफ संपन्न श्रृंखला हमें संकेत देती है कि भविष्य में टी20 टीम कैसी दिखेगी। लेकिन टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उस बिंदू तक पहुंचने के लिए हमारे पास अब भी कुछ वर्ष हैं।'

राष्ट्रीय चयनकर्ता और राष्ट्रीय टीम के कोच दोनों की जिम्मेदारी निभा चुके राठौड़ भारतीय क्रिकेट टीम के प्रतिभा पूल को मजबूत मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे लेकर बहुत चिंतित नहीं हूं। हमारे पास भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है। बहुत सारे प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं जो सामने आ रहे हैं। हमें बस यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि बदलाव नियंत्रित तरीके से हो। इसे धीरे-धीरे करने की जरूरत है।' राठौड़ को लगता है कि जब तक रोहित और कोहली सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे तब तक युवा सितारे अच्छी तरह से स्थापित हो जाएंगे जो अगले 10 वर्षों के लिए टीम का केंद्र बन जाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि तब तक शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी खुद को स्थापित कर लेंगे और बदलाव को आसान बना देंगे।'

राठौड़ ने कहा, 'एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में भी हमारे पास श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं।' जिस तरह कोहली और रोहित ने एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय बल्लेबाजी के बोझ को अपने कंधों पर उठाया उसी तरह अगला दशक गिल और जायसवाल का हो सकता है।

गंभीर की आक्रामकता और खेल के प्रति जागरूकता भारतीय टीम के लिए फायदेमंद होगी : डेल स्टेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने गौतम गंभीर की भारत के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति की सराहना की और कहा कि मैदान पर उनकी आक्रामकता और खेल के प्रति जागरूकता भारतीय टीम के लिए फायदेमंद होगी। राहुल द्रविड़ के जाने के बाद बीसीसीआई ने गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। उनके आखिरी कार्यकाल में भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब जीतकर 11 साल से चले आ रहे आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया।

स्टेन ने कहा, 'मैं गौतम गंभीर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनकी आक्रामकता बहुत पसंद है। वह उन कुछ भारतीयों में से एक हैं जिनके खिलाफ मैंने खेला है और जो आपके खिलाफ जवाबी हमला करते हैं, और मुझे यह पसंद है। मुझे लगता है कि वह विराट और कुछ अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में भी इसे लेकर जाएंगे, जो शायद अब उतनी बड़ी भूमिका नहीं निभाते। मुझे ज़्यादा यकीन नहीं है।' उन्होंने कहा, 'न केवल भारत में, बल्कि विश्व क्रिकेट में हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो थोड़े ज़्यादा आक्रामक हों और खेल को थोड़ा ज़्यादा मुश्किल से खेलें। हम सभी लीग में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, और हम काफी मिलनसार और दोस्त बन जाते हैं। मुझे यह पसंद है कि वह मैदान पर तो बहुत आक्रामक हैं, लेकिन मैदान के बाहर एक सज्जन व्यक्ति हैं। वह एक समझदार, बहुत ही चतुर क्रिकेटर हैं और उनके पास बहुत बढ़िया क्रिकेट दिमाग है। इसलिए मुझे लगता है कि इस दृष्टिकोण से, वह उनके लिए भी शानदार साबित होंगे।'

पूर्व प्रोटियाज ऑलराउंडर जैक्स कैलिस भी गंभीर की आक्रामक प्रकृति के साथ काम में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता पर भरोसा रखते हैं। कैलिस ने कहा, 'गौतम को कोचिंग के क्षेत्र में आते देखना बहुत अच्छा है। उनके पास क्रिकेट के बारे में बहुत अच्छी समझ है। वह कुछ जोश भरेंगे और आक्रामक तरीके से खेलना पसंद करते हैं। मुझे लगता है कि वह खेल में कुछ नयापन लाएंगे और खिलाड़ी उनसे बहुत कुछ सीखेंगे। उनके पास जोड़ने के लिए बहुत कुछ है और वह भारतीय टीम में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, हमारे खिलाफ ज्यादा नहीं, लेकिन मुझे यकीन है कि वह शानदार प्रदर्शन करेंगे।'

पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक बड़ा अवसर है और हमें देखना होगा कि वह इसका कितना फायदा उठाते हैं। मैंने उनके साक्षात्कार देखे हैं और वह सकारात्मक बातें करते हैं और बहुत सीधे-सादे हैं।' गंभीर श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल होंगे, जहां भारत 27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही वनडे मैच खेलेगा।

सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी के पैर में लगी चोट, टखने में सूजन

मियामी गार्डन्स । अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी को कोपा अमेरिका फाइनल से जल्दी विदा लेनी पड़ी जब 64वें मिनट में पैर में चोट के कारण वह बाहर हो गई और बाद में बेंच पर बैठे मेस्सी के दाहिने पैर के टखने में काफी सूजन देखी गई। 37 वर्ष के मेस्सी दौड़ते हुए गिरने से चोटिल हो गए। अर्जेंटीना ने फाइनल में कोलंबिया को 1.0 से हराकर रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका खिताब जीता। मेस्सी ने गिरने के बाद तुरंत अर्जेंटीना बेंच की ओर देखा। वह कई मिनट तक लेटे रहे जब ट्रेनर आए तो उनकी मदद से अपने दाहिने पैर से जूता निकाला। आठ बार के बलोन डि ओर विजेता मेस्सी ने मैदान से जाते समय कप्तान का आर्मबैंड निकाला और हताशा में जूता जमीन पर फेंका। इसके बाद सीट पर हथेलियों से चेहरा छिपाए बैठे रहे। मेस्सी जीत के बाद लड़खड़ाते हुए आए और निकोलस ओट्टामेंडी तथा एंजेल डि मारिया के साथ ट्रॉफी थामी। मेस्सी पूरे टूर्नामेंट में पैर की चोट से जूझ रहे थे और ग्रुप चरण का आखिरी मैच भी नहीं खेल सके।

इस मामले में अभिषेक शर्मा भारत के लिए पहले खिलाड़ी बने

हरारे। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के दौरे में भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया। टी20 सीरीज के पहले मैच में अभिषेक का खाता नहीं खुला। खराब सीरीज के बाद अभिषेक ने अगले ही दिन दूसरे मैच में शतक ठोक दिया। अभिषेक ने सिर्फ 46 गेंदों पर अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगा दिया था। वे इस फॉर्मेट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के 10वें बल्लेबाज बने थे। अभिषेक बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज भी हैं। अंडर-19 क्रिकेट में अभिषेक ऑलराउंडर की भूमिका में नंबर-5 और 6 पर खेला करते थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में अभिषेक ने गेंदबाजी की है। लेकिन उन्हें पहली सफलता चौथा मैच में मिली। भारत को पहली सफलता अभिषेक शर्मा ने ही दिलाई थी। उनकी गेंद पर तदिवानाशे मरुमानी ने रिंकू सिंह के हाथ में शॉट खेल दिया था। अभिषेक एक ही सीरीज में भारत के लिए शतक बनाने और विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले भारत के लिए 9 बल्लेबाजों ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक ठोके हैं। इसमें सुरेश रैना, रोहित शर्मा, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, दीपक हुड्डा और शुभमन गिल का नाम शामिल है। लेकिन इसमें से कोई भी उस सीरीज में विकेट नहीं ले सका, जिसमें शतक लगाया था। महिला क्रिकेट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर एक ही सीरीज में शतक लगाने के साथ ही विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं।

वनडे और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर सामने आया रोहित शर्मा का बड़ा बयान

बेंगलुरू । भारतीय क्रिकेट के स्टार कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी अगुवाई में भारतीय टीम को पिछले महीने ब्रिजटाउन में आयोजित टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब दिलाया था। भारत ने फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराकर इतिहास रचा। इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद रोहित ने एक बड़ा फैसला लिया है। रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। उन्होंने रिटायरमेंट के बारे में अपने फैंस को समझाया कि वे अब इस फॉर्मेट में नहीं खेलेंगे। अब टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट के बाद रोहित शर्मा के वनडे और टेस्ट करियर पर भी बात की जा रही है। बता दें कि रोहित शर्मा 37 साल के हो चुके हैं, ऐसे में वो अब कब तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेल पाते हैं ये एक बड़ा सवाल है। रोहित ने वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर अपनी उपस्थिति बनाए रखने का भी इंटेंशन जताया है। रोहित शर्मा के इस फैसले ने क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना दिया है। रविवार को डलास में हुए एक कार्यक्रम के दौरान रोहित से रिटायरमेंट से जुड़ा सवाल पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा वह ऐसे शख्स नहीं हैं जो बहुत आगे के बारे में सोचते हैं, लेकिन अभी भी उनमें बहुत कुछ बाकी है। इसलिए निश्चित से आप मुझे कुछ समय तक खेलते हुए देखेंगे।'

स्पेन ने तोड़ा इंग्लैंड का सपना, रिकॉर्ड चौथी बार जीता यूरो खिताब

बर्लिन(एजेंसी)। स्पेन ने इंग्लैंड का 1966 के बाद पहला खिताब जीतने का सपना चूर चूर करते हुए उसे 2.1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल में रिकॉर्ड चौथी बार अपनी बादशाहत साबित कर दी। टूर्नामेंट में शुरू से आखिर तक स्पेन का दबदबा रहा जिसने 86वें मिनट में मिकेल ओयारजाबाल के गोल के दम पर फाइनल में 2.1 से जीत दर्ज की।

कप्तान अलवारो मोराटा के विकल्प के तौर पर मैदान पर उतरे मिकेल ने बायें विंग से मार्क कुकुरेला के पास को गोल में बदलकर मैच को अतिरिक्त समय में खिंचने से बचाया। फुटबॉल के जनक इंग्लैंड ने 1966 विश्व कप के बाद कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है। जर्मनी में 1936 ओलंपिक के लिये बनाये गए इस स्टेडियम में ट्रॉफी थामे स्पेन के खिलाड़ियों और आसमान में होती आतिशबाजी को इंग्लैंड के खिलाड़ी मायूस निगाहों स देखते रहे।

स्पेन ने इससे पहले 1964, 2008 और 2012 में यूरो खिताब जीता है। स्पेन के लिए 47वें मिनट में पहला गोल करने वाले निको विलियम्स ने कहा, 'हम यूरोप के चैम्पियन है।' इंग्लैंड के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी कोल पामर ने 73वें मिनट में बराबरी का गोल किया था। यूरो चैम्पियनशिप खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी लामाइन यमल ने विलियम्स के गोल में सूत्रधार की भूमिका निभाई। दोनों विंगर अलग अलग संस्कृतियों के खिलाड़ियों से मिलकर बनी स्पेन की टीम के स्टार साबित हुए।

शनिवार को अपना 17वां जन्मदिन मना चुके यमल की मां गिनीया से और पिता मोरक्को से हैं जबकि विलियम्स के माता पिता घाना के हैं जो बेहतर जीवन की तलाश में यूरोप आ बसे थे। स्पेन पहुंचने के लिए वे खचाखच भरे ट्रक में लदकर और सहारा रेगिस्तान पैदल पार करके पहुंचे थे। प्लेयर आफ द मैच चुने गए विलियम्स ने कहा, 'मेरे माता पिता ने मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए काफी कुछ झेला है। मैं खुश हूं कि मैंने इतिहास रच दिया।'

विलियम्स का भाई इनाकी घाना के लिए खेलता है लेकिन उसने स्पेन को चुना अब पूरे देश का हीरो बन गया है। स्पेन ने दोनों महिला विश्व कप इंग्लैंड को हराकर जीते और 2023 में यूएफा नेशंस लीग भी जीता। इस यूरो चैम्पियनशिप में स्पेन ने सातों मैच जीते और एक टूर्नामेंट में सर्वाधिक 15 गोल करने का रिकॉर्ड बनाया। यमल ने जीत के बाद कहा, 'मुझे इससे बेहतर जन्मदिन का तोहफा नहीं मिल सकता था। सपना सच हो गया।' दूसरी ओर इंग्लैंड को 2021 यूरो फाइनल में इटली ने पेनल्टी शूटआउट में हराया था। इस हार से उसके सारे जख्म फिर हरे हो गए और ट्रॉफी का इंतजार भी और लंबा हो गया।

यह अच्छी बात है कि सभी रन बना रहे हैं, ओपनर्स में प्रतिस्पर्धा पर बोले शुभमन गिल

हरार। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में मिली जीत के बाद भारतीय टी20 टीम में सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए प्रतिस्पर्धा कड़ी हो गई है और इस क्रम के दावेदारों में शामिल शुभमन गिल ने इसे टीम के लिये अच्छा बताया। श्रीलंका के खिलाफ इस महीने के आखिर में तीन टी20 मैचों में यशस्वी जायसवाल के साथ गिल पारी की शुरूआत कर सकते हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले गिल टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं थे। भारत ने इस श्रृंखला में गिल, जायसवाल, अभिषेक शर्मा और रूतुराज गायकवाड़ के रूप में चार सलामी बल्लेबाजों को उतारा और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। गिल ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि सभी रन बना रहे हैं। इससे साबित होता है कि सभी में रनों की भूख है और कोई भी अपने स्थान को हलके में नहीं लेना चाहता। किसी भी देश के लिए यह अच्छी बात है।' उन्होंने कहा, 'जिसे भी मौका मिला, उसने उसका पूरा फायदा उठाया। सलामी बल्लेबाजों से गेंदबाजों तक, हरफनमौलाओं से स्पिनरों तक सभी ने अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी। चयनकर्ताओं ने देखा है और अब अगली श्रृंखला के लिए टीम चुनना उनका काम है।' कप्तानी के बारे में गिल ने कहा कि उन्होंने इसका पूरा मजा लिया। उन्होंने कहा, 'कप्तानी के बारे में मेरा मानना है कि आप अपने खिलाड़ियों में कितना भरोसा करते हैं। मैं ऐसा करने की कोशिश करता हूं। उन्हें यह बताता हूं कि रणनीति पर अमल करने की कोशिश करें तो नतीजे मिलेंगे। पहला मैच हारने के बाद हम दबाव में थे और लगातार जीतना आसान नहीं होता लेकिन हमने ऐसा किया।'

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के खिलाफ सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे मिचेल मार्श , स्मिथ की जगह कोनोली शामिल

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के सितंबर में होने वाली सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को स्कॉटलैंड के खिलाफ टी20 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। कप्तान पैट कमिंस को इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 और इंग्लैंड के खिलाफ पांच एकदिवसीय मैच खेलने हैं। सीए ने कहा कि यह पहले से तय था कि अगले साल होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए ही कार्यभार प्रबंधन के तहत कमिंस नहीं खेलेंगे। ऐसे में मिचेल मार्श टीम की कप्तानी संभालेंगे। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगर्क को एकदिवसीय और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है।

अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस दौरे से बाहर कर दिया है। उनकी जगह घरेलू क्रिकेट लीग बिग बैश में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कूपर कोनोली को शामिल किया गया है। कोनोली ने पिछले सत्र में बिग बैश लीग में पर्थ स्कॉर्चर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था।

स्कॉटलैंड के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम सितंबर में 4 से 7 तारीख तक तीन टी20 मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी और 11 से 15 सितंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी

टी20 टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जैक फेसर मैकगर्क, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा ।

वनडे टीम : मिचेल मार्श (कप्तान),सीन एबोट, एलेक्स कारी, नाथन एलिस, जैक फेसर मैकगर्क, आरोन हार्डी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा।

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में एथलेटिक्स को मिली सबसे अधिक धनराशि

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली -सिर्फ एक ओलंपिक पदक किसी खेल को बढ़ावा देने के लिए काफी है और अगर यह स्वर्ण पदक हो तो फिर सोने पर सुहागा है। तीन साल पहले तोक्यो खेलों में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद भारत में इस ओलंपिक चक्र में ट्रैक एवं फील्ड के खिलाड़ियों को सरकारी कोष में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सरकार ने एथलेटिक्स पर 96 करोड़ आठ लाख रुपए खर्च किए। इस बार 16 खेलों के लिए भारत की तैयारियों पर लगभग 470 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। पिछले ओलंपिक चक्र में टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत एथलेटिक्स पर पांच करोड़ 38 लाख रुपये खर्च किए गए थे।

26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस खेलों में चोपड़ा की अगुआई में 28 सदस्यीय एथलेटिक्स दल भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। भारतीय दल में कुल 118 खिलाड़ी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा है कि पिछली बार सात पदक को देखते हुए इस बार उम्मीदें अधिक है और इसलिए इस बाद खर्च अधिक किया गया है। देश के बैडमिंटन खिलाड़ियों सर्वाधिक अनुदान हासिल करने के मामले में दूसरे स्थान पर रहे।

बैडमिंटन खिलाड़ियों को 72.02 करोड़ रुपए मिले जबकि इसके बाद मुक्केबाजी (60.93 करोड़) और निशानेबाजी (60.42 करोड़) का नंबर आता है। भारत ने पेरिस खेलों के लिए बैडमिंटन में पांच कोटा हासिल किए हैं। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू (महिला एकल), एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन (पुरुष एकल), सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (पुरुष युगल) और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो (महिला युगल) शामिल हैं।

तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष टीम को पिछले तीन साल में 41.29 करोड़ रुपए की राशि मिली जबकि तीरंदाजी पर सरकार ने 39.18 करोड़ रुपए खर्च किए। पहलवानों को कोष से 37.80 करोड़ रुपए मिले जबकि भारोत्तोलन के खाते में 26.98 करोड़ रुपए आए। घुड़सवारी को 95 लाख रुपए के साथ सबसे कम वित्तीय सहायता मिली। टेनिस को एक करोड़ 67 लाख रुपए जबकि गोल्फ को एक करोड़ 74 लाख रुपये की मदद मिली। नौकायन (3.89 करोड़), तैराकी (3.9 करोड़), पाल नौकायन (3.78 करोड़) और जूडो (6.3 करोड़) पर भी 10 करोड़ रुपये से कम खर्च हुए।

स्टार खिलाड़ी अचंता शरत कमल की अगुआई वाली भारतीय टेबल टेनिस टीम को सरकार ने 12 करोड़ 92 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी। ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में सिंधू के साथ शरत कमल भारत के ध्वजवाहक होंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विदेश में अनुभव और टूर्नामेंट के मामले में देश के बैडमिंटन खिलाड़ियों को सबसे अधिक समर्थन मिला। उन्होंने 81 दौरे किए।

निशानेबाजों को 45 विदेशी दौरे मिले जबकि इसके बाद टेनिस (40), एथलेटिक्स (31), टेबल टेनिस (28), कुश्ती (27), तीरंदाजी (24), मुक्केबाजी (23), नौकायन (22), हॉकी (18), जूडो (15), गोल्फ (12) और तैराकी (11) का नंबर आता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान निशानेबाजी में 41 राष्ट्रीय शिविर आयोजित किए गए जो सभी 16 खेलों में सबसे अधिक है। तीरंदाजी 41 शिविर के साथ दूसरे स्थान पर है।

इसके बाद एथलेटिक्स (36), हॉकी (33), मुक्केबाजी (17), नौकायन (16), कुश्ती (15) और बैडमिंटन (13) का नंबर आता है। घुड़सवारी के लिए कोई राष्ट्रीय शिविर नहीं था क्योंकि अधिकांश सवार विदेश में प्रशिक्षण लेते हैं। गोल्फ के लिए केवल एक शिविर आयोजित किया गया था। पेरिस जाने वाले एक हॉकी खिलाड़ी ने कहा, 'हमें बेंगलुरू के साइ में भोजन से लेकर आवास, जिम और ट्रेनिंग सहित सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। हम लंबे समय से यहां रह रहे हैं। हमें विदेशों में भी बहुत सारे दौरे मिल रहे हैं।'

व्यक्तिगत और विशिष्ट खेल संबंधित खर्चे में भारतीय हॉकी टीम को सर्वाधिक 41.81 करोड़ रुपए मिले जिसमें 76 राष्ट्रीय शिविर और 19 विदेशी दौरों का खर्च शामिल है। चोपड़ा इस सूची में 5.72 करोड़ रुपए के साथ दूसरे स्थान पर है। यह खर्चा उनके मौजूदा विदेशी कोच डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज की सेवाएं लेने, यूरोप में ओलंपिक पूर्ण शिविर तथा यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने पर किया गया।

घर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसे सजाएं खिड़कियां

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए हम सभी चीजों की सजावट करते हैं लेकिन कई लोग खिड़की पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। खिड़कियां की साफ- सफाई के साथ इसकी सजावट करना भी काफी ज्यादा जरूरी हैं। अगर आप भी खिड़कियां की सजावट करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप इसकी सजावट कैसे कर सकती हैं।

खिड़कियां की सजावट करने से पहले आपको उसे अच्छे तरीके से साफ करना होगा। अगर आप अपने खिड़कियों की सजावट सही तरीके से करना चाहती हैं तो आपको खिड़की पर लगी धूल को साफ करना होगा। धूल निकालने के बाद आप इसे अच्छे तरीके से सजा सकती हैं।

स्टफ टॉयज का करें इस्तेमाल

अपनी खिड़की को सजाने के लिए आप चाहे तो स्टफ टॉयज का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके खिड़की पर जगह है तो आपको उस पर स्टफ टॉयज रखना होगा। स्टफ टॉयज देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

पौधे से करें सजावट

खिड़कियां अगर बड़ी है तो आपको अपने घर की खिड़कियों को सजाने के लिए हैंगिंग प्लांट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। इसकी मदद से आप अपने घर के खिड़कियों की मिनटों में सजावट कर सकती हैं। यह काफी ज्यादा खूबसूरत लगेगा।

कर्टेन सही चुनें

कर्टेन आपके घर की खिड़कियों की रौनक को बढ़ा सकता है। ऐसे में आपको अपने घर के खिड़कियों की सजावट करने के लिए लाइट कलर के कर्टेन लगाने होगे। इसकी मदद से आप आसानी से अपने घर के खिड़कियों को सजा सकती हैं।

बरसात के मौसम में घर के फर्नीचर को सेफ रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बारिश का मौसम अपने साथ तरह-तरह की परेशानियां लेकर ही आता है। रोड पर जलजमाव के कारण कहीं आने-जाने में दिक्कत से लेकर घर की साफ-सफाई तक हर कुछ में इस दौरान समस्याएं बढ़ जाती है। ऐसा ही एक दिक्कत घर में मौजूद फर्नीचर के साथ भी होता है। दरअसल, बरसात के दिनों में लकड़ी के फर्नीचर में भी नमी आ जाती है। यही नहीं, इसके कारण सड़न और दीमक लगने की भी संभावनाएं काफी बढ़ जाती है, लेकिन आपको अब ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आज एक्सपर्ट के बताए कुछ आसान से टिप्स बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप अपने काम को आसान बना सकते हैं।

फर्नीचर को ढक कर रखें

अगर यह खिड़की या बालकनी के पास रखी है तो आप अपने फर्नीचर ढक कर रख सकते हैं। इसके लिए प्लास्टिक शीट या वाटरप्रूफ कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से आप अपने फर्नीचर को पानी और नमी से बचा सकते हैं। इसके अलावा, सोफों और कुर्सियों को फैब्रिक कवर से भी आप ढक सकते हैं।

अपने फर्नीचर को धूप में सुखाएं

फर्नीचर में नमी को बनने से रोकने के लिए संभव हो तो इसे धूप में जरूर सुखाएं। इससे पानी का असर फर्नीचर पर नहीं होगा और न ही इसमें दीमक आदि लगने की स्थिति बन पाएगी।

लकड़ी के फर्नीचर को पेंट या पॉलिश करें

पानी और नमी से फर्नीचर को बचाने के लिए आप एक सुरक्षात्मक परत बना सकते हैं। इससे फर्नीचर की चमक बरकरार रहेगी ही। साथ ही, बरसात में ये खराब होने से भी बच सकते हैं।

फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें

नम दीवारों से फर्नीचर में नमी आ सकती है। ऐसे में फर्नीचर और दीवारों के बीच थोड़ा गैप रखना जरूरी है। इसके अलावा, नमी के स्तर को कम करने और लकड़ी के फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए कमरे में डीह्यूमिडिफायर का उपयोग कर सकते हैं।

रबर पैड का करें इस्तेमाल

गंदे और गीले फर्श के साथ सीधे संपर्क में आने से फर्नीचर पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में आप अपने फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए पैरों के नीचे रबर पैड लगा सकते हैं।

फर्नीचर को कैसे रखें साफ?

- धूल और गंदगी को जमा होने से रोकने के लिए अपने फर्नीचर को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- इसपर कवर, कोस्टर या पैड को बिछाकर रखें।
- अपने फर्नीचर को सीधे धूप से बचाएं।
- लकड़ी के फर्नीचर को महीने में एक बार घरेलू तरीके से जरूर पॉलिश करें।
- कपड़े के फर्नीचर को वैक्यूम क्लीनर से साफ करते रहें।

बिना खर्च किए इस तरीके से बनाएं फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे

महंगे फर्नीचर की खास केयर की जरूरत होती है। इसके लिए बाजार में आपको यूं तो कई सारे प्रोडक्ट मिल जाएंगे। पर, आप चाहें तो केमिकल मुक्त घर पर ही क्लीनिंग स्प्रे तैयार कर सकती हैं।

फर्नीचर क्लीनर स्प्रे बनाने की सामग्री

1 कप सफेद सिरका, 2 कप पानी
2 चम्मच नींबू का रस
1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, स्प्रे बोतल

घर पर फर्नीचर क्लीनर कैसे बनाएं?

- फर्नीचर क्लीनर तैयार करने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका और पानी डालें। आप चाहें तो सिरके की जगह नींबू का रस भी डाल सकती हैं।
- अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल डालें। यह आपके फर्नीचर पर पॉलिश का काम करेगा।
- इसके बाद, बोतल को अच्छी तरह हिलाएं।
- बस लीजिए, आपका फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे तैयार है।
- फर्नीचर क्लीनर का कैसे करें इस्तेमाल?
- स्प्रे बोतल को अच्छी तरह से हिलाकर मिक्स कर लें।
- इसके बाद, एक मुलायम कपड़े को इस स्प्रे से गीला करें।
- फर्नीचर की सतह को अच्छी तरह पोंछ लें।
- अगर दाग एक बार में न मिटे, तो इसे फिर से दोहराएं।
- आप इस स्प्रे को लकड़ी, प्लास्टिक, धातु और कांच सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर पर उपयोग कर सकते हैं।

फर्नीचर स्प्रे बनाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

- यदि आप एक स्ट्रॉन्ग क्लीनर चाहते हैं, तो आप सिरके की मात्रा को 1/2 कप तक बढ़ा सकते हैं।
- स्प्रे को सुगंधित बनाने के लिए आप नींबू का रस या चंदन के तेल की मात्रा को 20 बूंद तक डाल सकते हैं।
- यदि आप एक चमकदार फिनिशिंग चाहते हैं, तो ऑलिव ऑयल की मात्रा को भी 2 बड़े चम्मच तक बढ़ा सकते हैं।
- बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें।

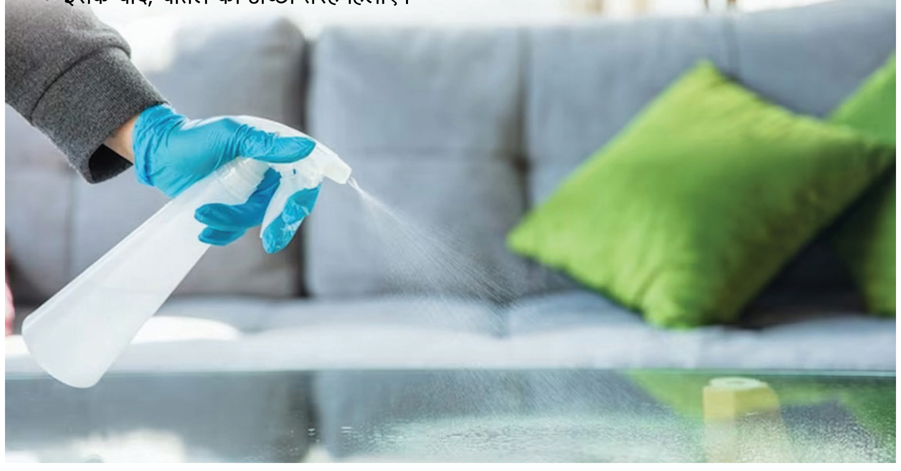

इन्वर्टर की बैटरी खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान वर्षों तक नहीं होगी खराब

अगर आप भी घर के लिए इन्वर्टर की बैटरी खरीदने जा रहे हैं तो उससे पहले इन बातों का ज़रूर ध्यान रखें।
दिन या रात में जब बिजली जाती है तो सबसे पहले ध्यान इन्वर्टर की तरफ जाता है। अगर इन्वर्टर ठीक है तो कई बात नहीं, लेकिन इन्वर्टर की बैटरी डाउन या ख़राब होती है तो अंधेरे में रहना पड़ता है। इसलिए इन्वर्टर की बैटरी सही खरीदना चाहिए। अगर आप भी इन्वर्टर के लिए बैटरी खरीदने जा रहे हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि इन्वर्टर के लिए बैटरी कैसी होना चाहिए।

बैटरी लेने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

- इन्वर्टर के लिए बैटरी लेना कोइबदी बात नहीं है, लेकिन बैटरी लेने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान देने की ज़रूरत है।
- सबसे पहले आपको यह तय करना है कि आपको कितने घंटे के लिए बैकअप चाहिए।
- आपके घर में लाइट कितनी बार जाती है और कितने देर के लिए जाती है। इसका पूरा अनुमान सेट करके आप आसानी से अच्छी बैटरी खरीद सकते हैं।
- जैसे-पूरे 24 घंटे में लगभग 3 घंटे के लिए बिजली जाती है उसके हिसाब से आप 75-80Ah (एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।
- अगर इससे कम या इससे अधिक समय के लिए बिजली जाती है तो आप समय के अनुसार एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।

अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें?

मार्केट में मौजूद इन्वर्टर बैटरियों में अच्छी बैटरी कैसे पहचाने ये बड़ा ही सवाल होता है। अगर आप भी इस सवाल में उलझे हुए कि अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें तो फिर आपको कुछ टिप्स को फ़ॉलो करें की ज़रूरत है। जैसे-

- आपको बता दें कि मार्केट में लगभग 3 तरह की बैटरी सबसे अधिक चलती है। फ़्लैट बैटरी, नॉर्मल बैटरी और ट्यूबलर बैटरी अधिक चलती है।
- कई लोगों का मानना है कि ये तीनों बैटरी ही अपने स्थान पर है, लेकिन लॉन्ग लाइफ के लिए ट्यूबलर बैटरी अच्छी मानी जाती है। ट्यूबलर बैटरी अधिक समय तक चलती और कम समय में चार्ज भी हो जाती है। इसलिए आप आपने घर के लिए ट्यूबलर बैटरी खरीद सकते हैं।

फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी कैसी होती है?

यह तो आपको मालूम हो चुका होगा कि इन तीनों बैटरी में से ट्यूबलर बैटरी अच्छी होती है, लेकिन कई लोग फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल भी खरीद लेते हैं। ऐसे में इन दोनों बैटरी के बारे में आप भी जन लीजिए। कहा जाता है कि फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी में कई बार हीटिंग की समस्या होती है जिसके कारण वो जल्दी ख़राब भी हो जाती है। फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी अधिक समय तक नहीं चलती हैं और कई बार जल्दी ख़राब भी हो जाती हैं। इन दोनों बैटरी के साथ बैकअप की भी समस्या रहती हैं।

इन्वर्टर बैटरी की वारंटी और सर्विस चेक करें

इन्वर्टर बैटरी सेलेक्ट करने के बाद बैटरी की वारंटी देखना बहुत ज़रूरी होता है। कई बैटरी की वारंटी 1 साल या फिर 2 तक तक ही होती है, लेकिन अगर आप घर के लिए बैटरी खरीद रहे हैं तो कम से कम 5-7 साल तक की वारंटी वाली ही बैटरी खरीदें। इसके वाला सर्विस के बारे में भी चेक करना बहुत ज़रूरी है। जी हां, वारंटी के साथ सर्विस के बारे में भी ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी किसी वजह से ख़राब होती है और कंपनी फ्री मेंटेनेंस करती है। इसलिए इन्वर्टर के लिए बैटरी लेते समय वारंटी और सर्विस ज़रूर चेक करें।

बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

बच्चों की स्टेशनरी अक्सर इधर-उधर फैली रहती है। ऐसे में उसे आर्गेनाइज करने के लिए स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद ली जा सकती है। आप इसे खुद घरेलू आइटम्स की मदद से तैयार कर सकते हैं।

स्टेशनरी एक ऐसी चीज है, जो लगभग हर घर में होती ही है। जिन घरों में बच्चे होते हैं, वहां तो अक्सर पेन, पेंसिल या कलर आदि अक्सर इधर-उधर रखे हुए नजर आते हैं। अमूमन घरों में मम्मी ही स्टेशनरी को उठाकर बार-बार रखती रहती है। अगर आपके घर में भी ऐसा होता है तो सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्टेशनरी आर्गेनाइजर का इस्तेमाल करें। स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद से सभी तरह की स्टेशनरी को एक जगह आसानी से आर्गेनाइज करके रखा जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के अलग-अलग स्टेशनरी आर्गेनाइजर आसानी से मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे घर पर पुरानी आइटम्स की मदद से भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। घर पर स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाना ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि आप खुद ही एक यूनिक डिजाइन व साइज का स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाकर तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाने के तरीके के बारे में बता रहे हैं-

कार्डबोर्ड से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

- अगर आपके पास पुराने जूते के डिब्बे या कार्डबोर्ड हैं, तो आप उससे स्टेशनरी आर्गेनाइजर बना सकते हैं। आर्गेनाइजर बनाने के लिए कार्डबोर्ड बॉक्स को मनचाहे आकार में काटें। आप आर्गेनाइजर के अलग-अलग सेक्शन बनाने के लिए कार्डबोर्ड को नापकर काट लें।
- अब ग्लू या टेप का उपयोग करके उन्हें चिपका लें। सुनिश्चित करें कि वे मज़बूती से जुड़े हुए हैं। आप तैयार आर्गेनाइजर को डेकोरेटिव पेपर से ढक दें या फिर आप उन्हें पेंट भी कर सकते हैं। अब इसे सूखने दें और फिर तैयार आर्गेनाइजर में स्टेशनरी आइटम को अंदर रखें। पुरानी चीजों को इस्तेमाल करने का आसान तरीका है।

मेसन जार की मदद से बनाएं आर्गेनाइजर

- मेसन जार की मदद से भी स्टेशनरी आर्गेनाइजर तैयार किया जा सकता है। आप अलग-अलग मेसन जार को बतौर आर्गेनाइजर इस्तेमाल करें। इसके लिए आप मेसन जार लें। फिर उसे पेंट करें और सूखने दें। एक जार में सारी स्टेशनरी आर्गेनाइज करना संभव नहीं है, इसलिए आप अलग-अलग मेसन जार को पेंट करें।
- अब आप हर जार में लेबल लगाएं। अगर आपके पास स्पेस की कमी है और आप माउंटेड ऑर्गनाइज़र चाहते हैं, तो स्क्रू और ड्रिल का उपयोग करके लकड़ी के बोर्ड पर होज़ क्लैंप लगाएं। फिर, जार को क्लैंप में सुरक्षित करें। अपने स्टेशनरी आइटम को जार में रखें।

पुरानी प्लास्टिक बोतल से बनाएं आर्गेनाइजर

- घर में पुरानी प्लास्टिक की बोतल होना आम बात है। आप इसे भी बतौर स्टेशनरी आर्गेनाइजर काम में ला सकते हैं। यह इन बोतल को रिसाइकिल करने का एक बेहतरीन तरीका है। आर्गेनाइजर बनाने के लिए प्लास्टिक की बोतलों के ऊपरी हिस्से को मनचाही ऊंचाई पर काटें। सुनिश्चित करें कि किनारे चिकने हों। अगर किनारे नुकीले होंगे तो इससे चोट लगने का खतरा बढ़ जाएगा।
- अब बोतलों को पेंट करें या उन्हें डेकोरेटिव पेपर से कवर ककर दें। इसी तरह, आप आवश्यकतानुसार बोतलों को तैयार कर लें। इन्हें एक पैटर्न में अरेंज करें और फिर उन्हें गोंद या टेप से सिक्योर करें। आपका स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनकर तैयार है।

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

ट्रंप पर हमला ... पन्नू ने भारत के खिलाफ उगला जहर

वाशिंगटन । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के बाद खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बेतुका आरोप लगाकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। पन्नू ने आरोप लगाया कि ट्रंप पर फायरिंग करने वाले शूटर ने वहीं मानसिकता दिखाई, जो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार अपने विरोधियों के खिलाफ अपनाती हैं। पन्नू ने कहा, हम खालिस्तान समर्थक सिख ट्रंप के ऊपर हमले के प्रयास की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। जहरीले पन्नू ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हमेशा बुलेट (गोली) नहीं, बैलट (वोट) के जरिए सुलझाए जाने चाहिए। खालिस्तानी पन्नू ने ट्रंप के ऊपर हमले का इस्तेमाल भारत के खिलाफ बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए किया। पन्नू ने कहा, हमें उम्मीद है कि ट्रंप के खिलाफ जघन्य राजनीतिक हिंसा के बाद अमेरिकी प्रशासन घरेलू और विदेशी तत्वों द्वारा राजनीतिक हिंसा के इस्तेमाल का अधिक सख्ती से जवाब देगा। पन्नू ने फिर भारत पर खालिस्तान समर्थकों के अंतरराष्ट्रीय दमन का आरोप लगाया।

अमेरिका में राष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपतियों में हुए जानलेवा हमले, कई की गई जान

– ट्रम्प से पहले भी चलीं हैं इस तरह गोलियां

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ है। यह हमला तब हुआ जब ट्रंप एक रैली को संबोधित कर रहे थे तभी घात लगाकर स्नाइपर ने उनपर फायरिंग की। हालांकि, गोली ट्रम्प के कान को छूती हुई चली गई और ट्रंप बच गए लेकिन ये पहला मौका नहीं है जब अमेरिका के किसी बड़े नेता पर हमला हुआ हो। इससे पहले भी अमेरिका के कई राष्ट्रपतियों और पूर्व राष्ट्रपतियों पर हमले हुए जिसमें कुछ की तो जान तक चली गई। अमेरिका के सातवें राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन अमेरिका के पहले राष्ट्रपति थे जिन पर जानलेवा हमला हुआ था। 30 जनवरी 1835 को हमलावर ने जैक्सन पर पिस्तौल तान दी लेकिन फायर मिस हो गया था। इसके बाद हमलावर ने दूसरी पिस्तौल से हमला करने की कोशिश की लेकिन वो भी मिस हो गई। इसके बाद उसने पिस्तौल की बट से जैक्सन पर हमला कर दिया था। अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन पर 1865 में हमला हुआ था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। लिंकन पर ये हमला तब किया गया जब वह एक नाटक देख रहे थे। हमलावर ने उनके सिर में गोली मारी थी। उनकी हत्या के 9 महीने पहले भी उनपर जानलेवा हमला हुआ था लेकिन तब गोली उनकी टोपी पर लगी थी और इस हमले में लिंकन बाल-बाल बच गए थे। अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति जेम्स गार्फील्ड की भी हत्या की गई थी। गार्फील्ड को पद संभाले हुए कुछ महीने ही हुए थे तब उनपर फायरिंग की गई थी। इस हमले के चार महीने बाद उनकी मौत हो गई थी। वहीं, अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिन्ले की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब वह भाषण दे रहे थे। हमलावर ने उनपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थी। साल 1963 में अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति रहे जॉन एफ कैनेडी की भी हत्या कर दी गई थी। वहीं, साल 1981 में अमेरिका के राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी जानलेवा हमला हुआ था। उनपर ये हमला तब हुआ था जब वह एक समारोह में भीड़ से मिल रहे थे। तभी अचानक एक शख्स ने उन्हें गोली मार दी थी। हमलावर की पहचान जॉन हिंक्ले के रूप में हुई थी। हिंक्ले ने कोर्ट में कहा था कि वह मशहूर एक्ट्रेस जोडी फोस्टर को इंप्रेस करना चाहता था इसलिए उसने राष्ट्रपति को गोली मारी थी। इसके अलावा अमेरिकी नेता रूजवेल्ट और गेराल्ड फोर्ड की भी हत्या की कोशिश की गई थी लेकिन दोनों ही बच गए

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के ऑफिस से कॉफी मग चोरी

बर्लिन । दुनिया की दिग्गज कंपनी टेस्ला में 12 हजार लोग काम करते हैं। इन्हे उच्च कोटि का वेतन और कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। इनका लिविंग स्टैंडर्ड भी कम नहीं है। मतलब इनके लिए कॉफी मग खरीदना बहुत मामूली बात है। ये लोग मग की चोरी क्यों करेंगे। इसके बावजूद जिस तरह की परिस्थितयां बन रही हैं वो संदेह पैदा करती हैं। टाइट सिक्यूरिटी के चलते कंपनी के अंदर कोई बाहरी व्यक्ति नहीं आ सकता है। इसके बाद भी कंपनी के अंदर से अब तक 65 हजार कॉफी मग चोरी हो गए है। ऐसा हुआ है कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला में। जर्मनी में टेस्ला की गीगाफैक्ट्री से कपों के गायब होने की खबर सामने आने के बाद से ही यह चोरी चर्चा का विषय बन गई है। स्टाफ मीटिंग की लीक ऑडियो से यह खुलासा हुआ है कि टेस्ला प्लांट मैनेजर आंद्रे थिएरिग हजारों कॉफी मगों के गायब होने से काफी चिंतित और विचलित हैं। जर्मनी में टेस्ला की यह फैक्ट्री ने 2022 में शुरू हुई थी। जर्मन पत्रिका स्टर्न ने पिछले साल अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि टेस्ला फैक्ट्री में औसत से कहीं ज़्यादा सुरक्षा समस्याएं थी। जर्मनी ऑडी प्लांट की तुलना में तीन गुना ज़्यादा सुरक्षा समस्याएं एलन मस्क की फैक ?टरी में पाई गईं। रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला ने बाद में मीडिया और मेटल यूनियन द्वारा किए गए दावों को खारिज कर दिया कि इसके सुरक्षा प्रावधान अपर्याप्त थे। टेस्ला की बर्लिन के दक्षिण-पूर्व में स्थित फैक्टरी में लगभग 12,000 लोग काम करते हैं। थिएरिग ने मीटिंग में कहा, मैं आपको बस एक आंकड़ा देने जा रहा हूं। हमने यहां प्रोडक्शन शुरू करने के बाद से 65 हजार कॉफी कप खरीदे हैं। अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें, तो आप में से हर एक के घर में पहले से ही पांच आइकिया कॉफी कप हैं। लीक ऑडियो में रिकॉर्ड वार्तालाप से पता चलता है कि ऑफिस से बार बार कॉफी के मग गायब होने से थिएरिग बहुत परेशान और गुस्से में हैं। उन्होंने कर्मचारियों से कहा, मैं मगों का ऑर्डर दे दे कर थक गया है। उन्होंने कर्मचारियों को धमकी दी अगर ऐसे ही कपों को गायब किया जाता रहा तो वे ऑफिस से सभी कटलरी को हटा देंगे।

वजन घटाने की सनक में बेबी तिंजी बन गई कंकाल, लोगों ने किए कमेंट

बीजिंग। आजकल लोगों की खाने पीने की गलत आदतें और ज्यादा सुविधा मिलने से लोगों का वज़न बढ़ रहा है। ऐसे में उनके सामने सबसे बड़ी समस्या ये है कि वह अपना वज़न कैसे घटाएं? कोई इतना भी वज़न नहीं घटाना चाहेगा, ताकि उसका चलना-फिरना तक मुश्किल हो जाए। फिट रहना सब चाहते हैं लेकिन शायद ही कोई इतना दुबला होना चाहेगा कि उससे चलते-फिरते भी न बने। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन की एक लड़की ने पतले होने की सनक में वज़न घटाकर 25 किलो कर लिया है। उसे देखकर लोग डरते हैं कि वो कहीं गिर न जाए या फिर उसकी हड्डियां न टूटने जाएं। लड़की सोशल मीडिया पर बेबी तिंजी नाम से मौजूद है। उसकी हाइट 160 सेंटीमीटर यानि 5 फीट 2 इंच है और वज़न सिर्फ और सिर्फ 25 किलो है। उसके 42 हज़ार फैंस हैं, जो उसकी वेट लॉस यात्रा को देखते हैं। चीन के गुआंगडॉन्ग की रहने वाली लड़की इतनी दुबली-पतली है कि चलता-फिरता कंकाल नज़र आती है। वह लोगों को नाचकर दिखाती है और फैंसी आउटफिट्स पहनकर दिखाती है लेकिन लोगों की वज़ह सिर्फ और सिर्फ उसके दुबले शरीर पर रहती है, जो सामान्य नहीं है। बेबी तिंजी के हाथ-पैर बहुत पतले हैं ऐसा लगता है कि उसके शरीर में मांस है ही नहीं। इसके बावजूद वह अब भी अपना वज़न घटाना चाहती है। उसकी हालत देखने के बाद लोगों ने कहा कि अगर उसने यह सब बंद नहीं किया तो वह गंभीर कुपोषण की शिकार हो जाएगी। लोगों ने कमेंट में लिखा कि वह कंकाल जैसी दिखने लगी है और उसे डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए। एक यूज़र ने लिखा-बाहर मत जाना, वरना उड़ सकती हो, वहीं एक अन्य यूज़र का कहना था 'ज्यादा चलो-फिरो मत, हड्डियां टूट जाएंगी।

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक समर्थक बैनर लेकर उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हुए। ट्रंप एक हमले में बाल-बाल बचे हैं।

पाकिस्तान की सेना पर भयंकर अटैक, हेलीकॉप्टर को भी मार गिराया गया, 17 जवानों की मौत

इस्लामाबाद। आतंकवाद को पनाह देने वाला पाकिस्तान अब उसी का शिकार हो रहा है। पाकिस्तान की सेना पर आतंकवादियों ने बड़ा प्रहार किया है। पाकिस्तान के बन्नू इलाके से ये खबर सामने आई है। बन्नू इलाके में सेना का कैंट एरिया है। सेना के कैंट पर आतंकियों ने हमला किया है। बताया जा रहा है कि सेना के हेलीकॉप्टर को भी आतंकवादियों ने मार गिराया है। आतंकवादियों के हमले में पाकिस्तानी सेना के 17 सैनिक मारे गए हैं। जिनमें दो मेजर और 2 कैप्टन रैंक के अधिकारी शामिल थे। अब देखना होगा कि कौन सा आतंकी संगठन इस हमले की जिम्मेदारी लेता है। क्या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान इसके पीछे है या फिर कोई और संगठन इसके पीछे है। पाकिस्तान में एक-दो संगठन ऐसे नहीं हैं। पाकिस्तान में न जाने कितने ऐसे संगठन हैं जो आतंकवाद को पाल पोस रहे हैं। लेकिन जिस जहर के पेड़ को पाकिस्तान ने बोया है, उसके परिणाम पाकिस्तान को झेलने पड़ रहे हैं। ये पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में आतंकवादी घटना घटी है। वहां इससे पहले भी स्कूल, धार्मिक स्थलों पर हमले की खबर सामने आती रहती है। नवंबर 2022 में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा सरकार के साथ अपना युद्धविराम समाप्त करने के बाद पाकिस्तान में पिछले वर्ष, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। पिछले हफ्ते, इस्लामाबाद ने एक बार फिर टीटीपी के साथ किसी भी बातचीत की संभावना से इनकार कर दिया और दोहराया कि काबुल को अपनी धरती पर सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

डॉनाल्ड ट्रंप की जान भगवान जगन्नाथ ने बचाई! क्या है 48 साल पुरानी रथ यात्रा की कहानी

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर फायरिंग हुई। उनके दाए कान पर गोली लगी। इस समय तक ट्रंप को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। उनको किसी तरह का कोई खतरा नहीं। शूटर को सुरक्षाकर्मी ने मार दिया। अमेरिका में चुनाव से ठीक पहले हुए इस हमले का राष्ट्रपति चुनाव पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन की उम्मीदवारी पर सवाल बरकरार है। ट्रंप ने चुनाव लड़ा तो उन्हें सहानभूति के वोट मिल सकते हैं। दावा है कि इस हमले में ट्रंप की जान बचने और भगवान जगन्नाथ की यात्रा के पीछे कनेक्शन है। दरअसल, आज से करीब 48 साल पहले ट्रंप ने जगन्नाथ यात्रा के लिए एक बड़ा फैसला लिया था। आज 2024 में ट्रंप की हत्या की कोशिश हुई और वो बाल-बाल बच गए। इसे जगन्नाथ यात्र से जोड़कर देखा जा रहा है। आप इसे संयोग कह सकते हैं। लेकिन जगन्नाथ के भक्त मानते हैं कि किसी दैवीय हस्तक्षेप। आइए जानते हैं कि ट्रंप ने साल 1976 में ऐसा क्या किया था जिसने उन्हें 48 साल बाद हमलावर की गोली से बचा लिया।

ट्रंप और जगन्नाथ यात्रा के बीच का कनेक्शन

लगभग 48 साल पहले की बात है। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) न्यूयॉर्क शहर में पहली रथ यात्रा आयोजित करने की योजना बना रहा था, लेकिन इसमें चुनौतियां बहुत अधिक थीं। फिफ्थ एवेन्यू में परेड परमिट मिलना तो किसी चमत्कार से कम नहीं था। एक विशाल खाली जगह ढूंढना जहां रथों का निर्माण किया जा सके, ये तो कतई भी आसान नहीं रहने वाला था। हर संभव व्यक्ति के दरवाजे खटखटाए गए, लेकिन सभी जगह से निराश ही हाथ लगी। ये वो दौर था जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कृष्ण भक्तों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आए।

ट्रंप की हां

न्यूयॉर्क में भक्त पहली बड़ी रथ यात्रा की योजना बना रहे थे। डिस्कवर हरे कृष्णा ने एक फेसबुक पोस्ट में उल्लेख किया करते हुए बताया कि हमें फिफ्थ एवेन्यू के उपयोग की अनुमति थी, जो वास्तव में एक बड़ी बात है। लेकिन विशाल लकड़ी की गाड़ियां बनाने के लिए हमें परेड मार्ग के करीब एक खाली जगह की जरूरत थी। हमने जिससे भी पूछा, हर जगह से निराशा ही हाथ लगी। वे बीमा जोखिम आदि के बारे में चिंतित थे। चरम पर पहुंची भक्तों की मायूसी, उस वक्त बिखरने लगी जब लगभग सभी जगह से निराशा मिलने लगी। फिर एक फर्म मालिक जिनसे भी संपर्क किया गया उसने कथित तौर पर कहा कि वे पेंसिल्वेनिया रेल यार्ड में संपत्ति बेचने की प्रक्रिया में हैं। कुछ दिनों बाद किसी ने उन्हें बताया कि डोनाल्ड ट्रंप ने पुराने रेलवे यार्ड को खरीद लिया है। फिर, भक्त महाप्रसादम की एक बड़ी टोकरी और एक भेंट पैकेज लेकर उनके कार्यालय गए।

मासूम चेहरा... गणित और विज्ञान में अव्वल... हमलावर थॉमस

वाशिंगटन (एजेंसी)। पेन्सिलवेनिया में चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करने वाले हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की तस्वीर सामने आई है।

20 साल का युवा, आखों पर चश्मा और कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराता हुआ चेहरा... तस्वीर को देखकर किसी के भी जहन में बस यही आएगा की आखिर इतना मासूम सा दिखने वाला शख्स देश के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर गोली कैसे चला सकता है।

जांच एजेंसी ने बताया कि थॉमस काफी शांत स्वभाव का इंसान था। वह काफी अकेले रहता था और 2022 में बेथेल पार्क हाई स्कूल से ग्रेजुएशन पूरी की थी। बताया जाता है कि थॉमस ने राष्ट्रीय गणित और विज्ञान पहल से 500 डॉलर का स्टार अवॉर्ड भी हासिल किया था। वह एक रजिस्टर्ड सदस्य रिपब्लिकन पार्टी से था और आगामी 5 नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में पहली बार मतदान करने वाला था।

थॉमस के दोस्तों ने बताया कि थामस को कभी राजनीति या ट्रम्प पर चर्चा करते हुए नहीं देखा था। लेकिन, थामस को अक्सर स्कूल में धमकाया जाता था। ग्रेजुएशन होने के बाद, वह एक नर्सिंग होम में काम कर रहा था। हमले के बाद, उसकी कार के अंदर एक संदिग्ध उपकरण पाया गया, जिसकी अब बम तकनीशियनों द्वारा जांच हो रही है। अधिकारी अब उसके फोन की भी जांच कर रहे हैं।

हमले से पहले रैली में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों को थॉमस के बारे में चेतावनी देने की कोशिश की थी जो पास की छत से छत पर घूम रहा था और रैली की ओर बंदूक तानकर पेट के बल लेटा हुआ था।

चेतावनी-परमाणु हथियार इस्तेमाल किया तो तुम्हें विश्व के नक्शे से मिटा देंगे

-दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ा तनाव

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच कुछ समय से परमाणु हथियार के इस्तेमाल को लेकर तनाव चल रहा है। अब दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया को चेतावनी दी कि परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया गया तो उत्तर कोरिया को मिटा देंगे। इसके बाद उत्तर कोरिया ने इसे लापरवाह और भड़काऊ कार्रवाई कहते हुए इसकी निंदा की और धमकी दी कि सियोल और वाशिंगटन को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उधर, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने रविवार को दक्षिण कोरियाई पर्चे के उत्तर में सीमा पार से कचरा भरे गुब्बारे भेजने का सिलसिला बहाल करने का संकेत दिया। मई से उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की तरफ कई कचरा भरे गुब्बारे भेजे। इसी को लेकर अब मामला तूल पकड़ रहा है। उत्तर कोरिया ने आखिरी बार जुलाई के आखिरी में दक्षिण कोरिया की ओर कचरा ले जाने वाले गुब्बारे भेजे थे। हालांकि यह तुरंत पता नहीं चल पाया था कि हाल ही में दक्षिण कोरिया में गुब्बारे भेजे गए थे या नहीं।

उत्तर कोरिया के पहले जारी बयान के जवाब में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है जिसमें परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के बाद उत्तर कोरिया शासन बच पाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि, वाशिंगटन में गुरुवार को दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु प्रतिरोध और परमाणु संचालन के लिए दिशानिर्देश अपनाया था। इससे पहले जून की शुरुआत में उत्तर कोरिया ने साउथ कोरिया पर सैकड़ों कचरे से भरे गुब्बारे भेजे थे। इन गुब्बारों में कपड़े के टुकड़े, सिगरेट के टुकड़े, प्लास्टिक जैसे अन्य कचरे भरे हुए हैं। बता दें कि ये गुब्बारे उत्तर कोरिया को जवाब के तौर पर दक्षिण कोरिया की तरफ से भेजे गए थे।

ट्रंप पर हमले के बाद हो रही बयानबाजी पर बोले बाइडन, अब विराम दें

वॉशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के बाद राजनैतिक बयानबाजियों का दौर शुरु हो गया है। इससे पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने आपत्ति दर्ज कराते हुए इस पर रोक लगाने की अपील की है। राष्ट्रपति कार्यालय 'ओवल ऑफिस' से राष्ट्र को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा, मैं आज रात आपसे राजनीतिक बयानबाजी को कम करने की जरूरत पर बात करना चाहता हूं और यह कहना चाहता हूं कि भले ही हम एक-दूसरे से असहमत हों, लेकिन हम दुश्मन नहीं हैं। हम पड़ोसी हैं, मित्र हैं, सहकर्मी हैं, देश के नागरिक हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अमेरिकी हैं।

राष्ट्रीय एकता का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, हमें एक साथ खड़ा होना चाहिए। बाइडन ने कहा, कल पेनसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली में हुई गोलीबारी की घटना हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि हम कहां खड़े हैं और यहां से आगे हमें किस दिशा में बढ़ना है। पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर गोली चलाए जाने की घटना के बाद से 24 घंटे से भी कम समय में राष्ट्रपति ने तीसरी बार संबोधन दिया है। बाइडन ने कहा कि इस हमले के

पीछे के कारण का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा, ''हम उसके (हमलावर) मकसद के बारे में नहीं जानते। फिलहाल यह नहीं पता चल पाया है कि उसे किसी से मदद मिली थी या समर्थन प्राप्त था या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या नहीं। कानून प्रवर्तन अधिकारी इन सभी सवालों के जवाब खोज रहे हैं।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''सिर्फ अपनी पसंद के उम्मीदवार का समर्थन करने और उसे चुनने की आजादी का इस्तेमाल करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति पर गोली चलाई गई और एक अमेरिकी नागरिक की हत्या कर दी गई। अमेरिका के लोग इस रास्ते पर नहीं चल सकतेज् हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। हिंसा किसी भी चीज का हल नहीं है।

हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता

हिंसा का जवाब हिंसा कभी भी नहीं हो सकता है।' अमेरिका में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, किसी भी तरह की हिंसा के लिएज्बस! कोई अपवाद नहींज् हम इस हिंसा को डिफेंड नहीं कर सकते हैं। बाइडेन ने अपने संबोधन में आगे कहा, 'इस देश में राजनीतिक बयानबाजी बहुत गर्म हो गई है। अब इसे कूल डाउन करने का समय आ गया है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है। राजनीति कभी भी युद्धक्षेत्र नहीं हो सकता, भगवान न करे, लेकिन यह एक हत्या का मैदान नहीं बनना चाहिए। मेरा मानना है कि राजनीति में शांतिपूर्ण बहस, न्याय के हिसाब से और हमारे संविधान के अनुसार निर्णय लेने का क्षेत्र होना चाहिए। बिडेन ने आगे कहा कि उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि विपक्षी दल रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन इवेंट में ÷मेरे रिकॉर्ड की आलोचना करेगा। देश की खातिर अलग दृष्टिकोण पेश करेगा। उन्होंने देश के नागरिकों से अपील किया कि देश में राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा न दें और नहीं इसकी वकालत करने वालों की साथ दें।

डोनाल्ड ट्रंप पर हुआ हमला चुनाव अभियान को दे सकता है नया मोड़

-खून से सने चेहरे के साथ हवा में मुट्ठी लहराते ट्रंप की तस्वीरें वायरल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उस समय हमला हुआ जब वह भाषण दे रहे थे, तभी उन पर गोलियां चलाई गईं। ट्रंप गोलियों की आवाज सुनते ही नीचे झुके गए और सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें कवर कर लिया। वह फिर उठे और हवा में मुट्ठी लहराते हुए मंच पर खड़े हो गए। इस दौरान उनके चेहरे पर खून लगा था। ट्रम्प के खून से सने चेहरे के साथ हवा में मुट्ठी लहराते ट्रंप की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं और ये नवंबर महीने में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की दिशा भी बदल सकती हैं। अमेरिका की राजनीति में इसे बड़े घटनाक्रम के रुप में देखा जा रहा है। अमेरिकी एजेंसियां की जांच कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के इस चौंकाने वाली घटना का चुनाव अभियान पर असर जरुर पड़ेगा। ट्रंप की हवा में मुट्ठी लहराते हुए तस्वीरों को उनके बेटे एरिक ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा-वह फाइटर हैं, जिसकी अमेरिका को जरूरत है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी घटना की निंदा की और कहा कि देश में इस तरह की राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप पर हमले के बाद बाइडन के चुनावी कैंपेन ने सभी राजनीतिक बयानों को रोक दिया है और जितनी जल्दी हो सके अपने टीवी विज्ञापनों को हटाने के लिए काम कर रहे हैं। वह मान रहे हैं कि इस समय डोनाल्ड ट्रंप पर हमला होना नुकसान साबित होगा। ऐसे में वह ट्रंप पर हमले की निंदा करने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और जिमी कार्टर सभी ने इस घटना की निंदा की और इस बात के लिए राहत जताई कि ट्रंप को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। दूसरी ओर ट्रंप के कुछ करीबी सहयोगी और समर्थक हिंसा के लिए बाइडन को दोषी मान रहे हैं। एक रिपब्लिकन नेता ने एक्स पर पोस्ट में बाइडन पर लोगों को हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

ट्रंप के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की रेस में शामिल सीनेटर जेडी वेंस ने कहा है कि बाइडन और उनकी टीम ने जिस तरह की ट्रंप विरोधी बयानबाजी की है, वही इस हमले की वजह बनी है। कई दूसरे रिपब्लिकन राजनेता भी ऐसी ही बातें करते हुए बाइडन को घेर रहे हैं।

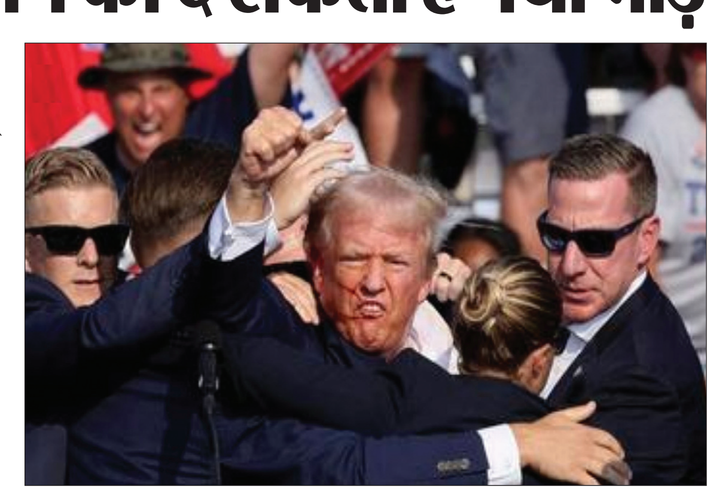

इस घटना के इर्दगिर्द चुनावी जंग की लाइन खींची जा रही है, आने वाले समय में यह केंद्र में रह सकती है जो चुनाव अभियान को नया मोड़ देगी।

राज्यसभा में भाजपा का दबदबा हुआ कम, अब कैसे पास करवाएगी बिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। केवल लोकसभा में ही नहीं, राज्यसभा में भी भाजपा और एनडीए का संख्या बल कम हुआ है। राज्यसभा में बीजेपी के चार मनोनीत सदस्य शनिवार को रिटायर हो गए। इसके साथ ही उच्च सदन यानी राज्यसभा में बीजेपी की ताकत घटकर 86 और एनडीए की 101 रह गई है। 19 सीटें खाली होने की वजह से राज्यसभा में फिलहाल सदस्यों की संख्या 226 हैं। इसका जवाब है कि भाजपा अब भी मजबूत स्थिति में है। नंबर गेम में अब भी वह आगे ही है। एनडीए के पास अब भी सात गैर-राजनीतिक मनोनीत सदस्यों, 2 निर्दलीय और एआईडीएमके और वाईएसआरसीपी जैसे दोस्ताना दलों के समर्थन से आगामी बजट सत्र में अहम कानून पारित करवाने की संख्या है। मगर दूसरों पर निर्भरता कम करने के लिए मनोनीत कैटेगरी के तहत जल्द से जल्द रिक्त पदों को भरना अहम होगा।

खबर के मुताबिक, राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा, राम शकल, सोनल मानसिंह और महेश जेठमलानी चार मनोनीत सदस्य हैं। ये सभी शनिवार को रिटायर हो गए। राज्यसभा के लिए मनोनीत होने के बाद इन्होंने औपचारिक रूप से खुद को बीजेपी के साथ जोड़ लिया था। मनोनीत कैटेगरी में एक और राज्यसभा सदस्य गुलाम अली हैं, जो बीजेपी का हिस्सा हैं। वे सितंबर 2028 में रिटायर होंगे। आने वाले महीनों में इन 11 सीटों पर होने वाले चुनाव में संभवतः आठ सीटें एनडीए और तीन सीटें इंडिया गठबंधन के कब्जे में जा सकती है। कांग्रेस को तेलंगाना से एक सीट मिलेगी, जिससे पार्टी की संख्या राज्यसभा में 27 हो जाएगी। राज्यसभा में अपना विपक्ष का पद बनाए रखने के लिए कांग्रेस को जितनी सीटों की जरूरत है, यह उससे दो अधिक है। इसलिए कांग्रेस की आवाज राज्यसभा में बुलंद होगी। हालांकि, भाजपा अथवा एनडीए को राज्यसभा में आगामी बजट सत्र में बिल पास करवाने में बहुत अधिक परेशानी नहीं होगी।

दरअसल, राष्ट्रपति सरकार की सिफारिश पर राज्यसभा के लिए 12 सदस्यों को मनोनीत करते हैं। मौजूदा सदन में उनमें से सात ने खुद को गैर-राजनीतिक (बीजेपी का हिस्सा नहीं) रखा, मगर ऐसे सदस्य कानून पारित कराने में हमेशा सरकार का ही साथ देते हैं। मौजूदा वक्त में राज्यसभा में 19 सीटें खाली हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर और मनोनीत कैटेगरी से चार-चार और आठ अलग-अलग राज्यों (असम, बिहार और महाराष्ट्र से दो-दो और हरियाणा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा से एक-एक) से 11 सीटें शामिल हैं। लोकसभा चुनाव की वजह से इन 11 सीटों में से 10 सीटें पिछले महीने खाली हुईं। जबकि एक सीट भारत राष्ट्र समिति के सदस्य के केशव राव के इस्तीफे के कारण खाली हुई थी। केशव राव बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए।

पूजा खेडकर के बाद... पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक भी विवादों में

नई दिल्ली। ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के निजी गाड़ी पर लाल-नीली बत्ती लगाने और कथित फर्जी प्रमाणपत्र को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इसके चलते उन्हें पुणे से वाशिम भेज दिया गया है। इस बीच अब एक अन्य पूर्व नौकरशाह के विकलांगता मानदंड में चयन पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, यूपी काडर के 2011 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने पिछले साल अभिनेता बनने के लिए इस्तीफा दे दिया था। अपने डांस और जिम वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अभिषेक आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। सिंह ने यूपीएससी चयन प्रक्रिया में रियायतें पाने के लिए चलने-फिरने में अक्षम होने का दावा किया था। सिंह द्वारा साझा वीडियो पर कई यूजर्स ने नौकरशाही चयन प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। वहीं इन आरोपों पर अभिषेक ने जवाब देकर कहा कि मुझे आरक्षण का समर्थन करने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, मैं किसी आलोचना से प्रभावित नहीं होता, लेकिन यह पहली बार है जब मैं अपने आलोचकों को जवाब दे रहा हूं क्योंकि मेरे समर्थकों ने मुझसे ऐसा करने के लिए कहा था। जब से मैंने आरक्षण का समर्थन करना शुरू किया है, आरक्षण विरोधियों ने मुझे निशाना बनाया है। वे मेरी जाति और नौकरी पर सवाल उठाते हैं। मैं आपको बता दूं कि मैंने कड़ी मेहनत और साहस से सब कुछ हासिल किया है, आरक्षण के द्वारा नहीं। मेरा मानना है कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण आबादी के हिसाब से होना चाहिए और मैं इस दिशा में काम करूंगा। अगर आपको लगता है कि आपके पास प्रतिभा है, तब सरकारी नौकरियों के लिए प्रयास करना बंद करें और व्यवसाय, खेल या अभिनय में आगे बढ़ें। आईएएस अभिषेक सिंह जौनपुर के रहने वाले हैं। उन्हें अभिनय शौक है। अभिषेक के पिता कृपाशंकर सिंह उत्तर प्रदेश में आईपीएस थे। अब वे सेवानिवृत हो चुके हैं।

दो नाबालिगों की आंखें फोड़ीं, जीभ और सीने पर चाकू मारकर की हत्या

- घटना से आक्रोशित लोगों ने लगाया जाम, परिजनों ने बलि देने का शक

पटना। बिहार के पटना में सोमवार सुबह दो नाबालिग की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक एक पेट्रोल पंप के पास स्थित गैराज के पास पानी भरे गड्ढे में दोनों शव बरामद किए गए हैं। दोनों के हाथ-पैर बंधे हुए थे शवों पर जख्मों के निशान थे। एक की उम्र 11 साल और दूसरे की 12 साल के करीब है। सुबह मॉर्निंग वॉक करने लोग निकले थे दोनों का शव देखकर हैरान गए तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही दोनों के परिजन और स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना से आक्रोशित लोगों ने एनएच-30 जाम कर दिया। आगजनी कर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। दोनों नाबालिग की पहचान गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के सरिस्ताबाद मोहल्ले के रहने वाले 12 वर्षीय विवेक कुमार और 11 वर्षीय प्रत्यूष कुमार के रूप में हुई है। विवेक चौथी क्लास में तो प्रत्यूष छठी क्लास में पढ़ रहा था। परिजनों का कहना है कि दोनों के गायब होने की सूचना रात में गर्दनीबाग थाने में की थी। शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। विवेक के पिता विनोद कुमार ने आरोप लगाया है कि बच्चों की आंखें फोड़ी गई हैं। जीभ और सीने पर भी चाकू से वार किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी संभावना जताई जा रही है कि पहले बच्चों के साथ मारपीट की गई होगी और फिर हत्या कर पानी में शव को फेंक दिया होगा। जहां से शव मिले हैं वहीं पास में एक कंपनी का प्रोजेक्ट चल रहा है। परिजनों ने आरोप लगाया कि कई दिनों से प्रोजेक्ट का काम रुका हुआ था। उसे शुरू करने के लिए बच्चों की बलि दी गई है। बच्चों की हत्या करके शवों को यहां फेंका गया है। इस मामले में अभी तक पुलिस की ओर से कोई बयान नहीं आया है। हालांकि घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास करती रही।

मुहर्रम नहीं तो कांवड़ यात्रा, रामलीला आदि भी नहीं होनी चाहिए

-सीएम योगी के बयान पर पर्सनल लॉ बोर्ड के फारुकी ने दी सख्त प्रतिक्रिया

लखनऊ। यूपी सीएम योगी के मुहर्रम के संबंध में दिए गए बयान पर बवाल मच गया है। समान नागरिक संहिता पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के सदस्य कमाल फारुकी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उनका कहना है अगर मुहर्रम नहीं होगा, तो कांवड़ यात्रा, रामलीला आदि भी नहीं होनी चाहिए। सड़क पर कोई भी धार्मिक कार्यक्रम नहीं होना चाहिए। रामलीला को भी बंद कर देना चाहिए। सबके लिए अलग-अलग नियम नहीं हो सकते हैं। इस देश में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई सब समान हैं। कमाल फारुकी ने कहा कि हमें यूसीसी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं है और वे इस कानून को कोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के पर्सनल कानून में किसी भी तरह का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा यूनिफॉर्म सिविल कोड संविधान का हिस्सा नहीं है, इसलिए ये हमें स्वीकार नहीं है। फारुकी ने कहा कि संविधान हमें अपने धर्म का अनुसरण करने की पूरी आजादी देता है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि अपने धर्म का पालन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें संविधान से पर्सनल लॉ मिला है, जो हमारे कुरआन ने बताए हैं, उसमें हम किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं इसके खिलाफ बने कानून को हम चुनौती देंगे। उन्होंने तलाक के बाद मुस्लिम महिलाओं को गुजारा-भत्ते देने के कोर्ट के फैसले पर कहा कि इसके लिए हमारी वर्किंग कमेटी की बैठक हुई है इसमें चर्चा की गई है कि सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले पर किस तरह से प्रतिक्रिया दी जाएगी।

किशनगंज में अवैध तरीके से बॉर्डर क्रॉस कर रहे तीन को पकड़ा

किशनगंज। भारत बांग्लादेश सीमा पर रविवार को तीन बांग्लादेशी घुसपैठियों को बीएसएफ के जवानों ने पकड़ा। बीएसएफ की 72वीं बटालियन के बीओपी बोर्रा के जवानों ने तीनों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार तीनों लोग भारतीय सीमा से बांग्लादेश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों से जब पूछताछ की गई तो तीनों बांग्लादेशी नागरिक निकले। बीएसएफ महा निरीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों घुसपैठियों की पहचान अब्दुल रहीम का बेटा रोबीउल (31), अकबर अली का बेटा मो फरीद (25), मो शाह जमाल का बेटा मो सैमुल (18) के रूप में हुई है। तीनों ही बांग्लादेश के ठाकुरगांव के रहनेवाले है। गिरफ्तार घुसपैठियों के पास से 50 बोतल फेंसीडिल, कई निजी सामान, भारतीय रुपए में 8 हजार आदि बरामद किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों से बीएसएफ पूछताछ कर रही है।

ठगी का नया तरीका बन सकता है ई-नोटिस, सरकार ने किया सतर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ईमेल उपयोगकर्ताओं को दिल्ली पुलिस साइबर अपराध और आर्थिक अपराध, केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी), खुफिया ब्यूरो और दिल्ली के साइबर प्रकोष्ठ के नाम, हस्ताक्षर, टिकट और लोगो वाले धोखाधड़ी के ईमेल के बारे में सचेत करते हुए एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया। चार जुलाई को जारी परामर्श के अनुसार, इन ईमेल के साथ संलग्न पत्र में ईमेल प्राप्तकर्ताओं के खिलाफ बाल पोर्नोग्राफी, बाल यौन शोषण, साइबर पोर्नोग्राफी, अश्लीलता के आरोप लगाए जाते हैं। इसमें कहा गया है कि ठग ऐसे फर्जी ईमेल भेजने के लिए अलग-अलग ईमेल पते का इस्तेमाल करते हैं। इसमें कहा गया है, ऐसे किसी भी ईमेल के प्राप्तकर्ता को इस धोखाधड़ी के प्रयास के बारे में पता होना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर अपराध इकाई ने रविवार को कहा कि ईमेल पर किसी सरकारी कार्यालय से संदिग्ध ई-नोटिस मिलने पर लोगों को इसमें लिखे अधिकारी के नाम की प्रामाणिकता की इंटरनेट पर जांच करनी चाहिए और संबंधित विभाग को फोन करना चाहिए। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (4सी) ने एक सार्वजनिक विज्ञापन में कहा कि उपयोगकर्ताओं को किसी सरकारी ई-नोटिस की आड़ में भेजे गए फर्जी ईमेल को लेकर सतर्क रहना चाहिए। विज्ञापन में आगाह किया गया है कि यह कोई ठग हो सकता है जो लोगों को साइबर धोखाधड़ी का शिकार बना सकता है।।4सी ने ऐसे ईमेल पर क्लिक करने या उनका जवाब देने से पहले जवाबी उपाय सुझाए हैं। यह जांच करें कि क्या ईमेल किसी प्रामाणिक सरकारी वेबसाइट से आया है जिसके अंत में जीओवी डॉट इन है, ईमेल में नामित अधिकारियों के संबंध में इंटरनेट पर जानकारी खंगाले और प्राप्त ईमेल को सत्यापित करने के लिए उल्लिखित विभाग को फोन करें। आम जनता को सूचित किया जाता है कि संलग्नक के साथ ऐसे किसी भी ई-मेल का जवाब नहीं दिया जाना चाहिए और ऐसे मामलों की सूचना निकटतम पुलिस थाने/साइबर पुलिस थाने को दी जा सकती है।

महाराष्ट्र में भी हो सकता है खेला! छगन भुजबल ने की शरद पवार से मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी महीनों विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसको लेकर वहां राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई हैं। इसी बीच महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल ने सोमवार को शरद पवार से मुलाकात की। भुजबल और पवार की मुलाकात के बाद राजनीतिक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। छगन भुजबल एनसीपी में टूट के बाद शरद पवार का साथ छोड़कर अजित पवार के साथ चले गए थे। ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर साल भर से चर्चा हो रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता छगन भुजबल इन दिनों ओबीसी आरक्षण को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले ऐसी चर्चा थी कि भुजबल, उद्धव ठाकरे की पार्टी शिव सेना ज्वाइन कर सकते हैं। हालांकि भुजबल ने इसे खारिज कर दिया था और कहा था कि मैं एनसीपी में रहूंगा। दिलचस्प बात यह है कि छगन भुजबल ने रविवार को ही शरद पवार पर इशारों-इशारों में हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि विपक्षी महाविकास आघाडी (एमवीए) ने बारामती से फोन आने के बाद 9 जुलाई को मराठा आरक्षण मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया। भुजबल ने शरद पवार के गढ़ बारामती में अजित पवार की मौजूदगी में रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि जब सामाजिक मुद्दे सामने आते हैं, तो यह उम्मीद की जाती है कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता को बैठक में शामिल होना चाहिए और अपने सुझाव देने चाहिए। पहले जानबूझकर बहिष्कार करना और फिर सलाह देना सही नहीं है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा: तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण का फैसला स्वीकार नहीं करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पूर्व पति से भरण-पोषण पाने का अधिकार है। इस पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का कहना है कि यह फैसला उन मुस्लिम महिलाओं के लिए मुश्किल खड़ी करेगा, जो अपने दर्दभरे रिश्ते से सफलतापूर्वक बाहर आ चुकी हैं। बोर्ड ने जोर देकर कहा कि यह मानवीय तर्क के साथ अच्छा नहीं है कि तलाक हो जाने के बाद भी व्यक्ति को पूर्व पत्नियों की जिम्मेदारी उठाने के लिए कहा जा रहा है। ये हमे स्वीकार नहीं है। इसका फैसला ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में लिया गया।

प्रेसीडेंट हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बोर्ड ने निर्णय लिया कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण पर शीर्ष अदालत का हालिया फैसला इस्लामी कानून (शरीयत) के खिलाफ था। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पवित्र कुरान के अनुसार निकाह को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही कहा कि तलाक के बाद पुरुषों को पूर्व पत्नियों को बनाए रखने के लिए मजबूर करना अव्यावहारिक है। बैठक की कार्रवाई का संचालन महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर्रहीम मुजादीदी ने किया, जिसमें देश भर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुस्लिम पर्सनल बोर्ड ने अपने अध्यक्ष को यह अधिकार दिया कि वह इस

फैसले को वापस कराने के लिए कोई भी कदम उठा सकते हैं। गौरतलब है कि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पूर्व पति से भरण-पोषण पाने का अधिकार है।

मामले पर चर्चा करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वर्किंग कमेटी ने इस बात पर जोर दिया है कि उल्लेख किया था कि सभी संभावित कर्मों में से अल्लाह की दृष्टि में सबसे घृणित तलाक है। इसलिए हर कोशिश करके शादी को जारी रखना ही उचित है। बोर्ड ने आगे कहा कि अगर इसके बावजूद शादी को बरकरार रखना मुश्किल हो जाता है तो इंसानियत की भलाई के लिए तलाक का उपाय बताया गया है। बोर्ड ने अपने प्रेसीडेंट को यह अधिकार दिया कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को वापस करने के लिए कोई भी कदम उठा सकते हैं। इसके लिए वह कानूनी, संवैधानिक या लोकतांत्रिक, कोई भी रास्ता अख्तियार कर सकते हैं। बोर्ड ने यह भी कहा कि वह इस मामले को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष से बात करेगी। इसके अलावा बोर्ड ने यूसीसी पर भी अपनी राय जाहिर की। बोर्ड ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को चुनौती देने का संकल्प लिया और अपनी कानूनी समिति को एक याचिका दायर करने का निर्देश दिया। बोर्ड ने कहा कि हालिया लोकसभा चुनाव के परिणामों से भी संकेत मिले हैं कि लोग सरकार के कदमों से सहमत नहीं हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा कि यह फैसला उन मुस्लिम महिलाओं के लिए मुश्किल खड़ी करेगा, जो अपने दर्दभरे रिश्ते से सफलतापूर्वक बाहर आ चुकी हैं। बोर्ड ने जोर देकर कहा कि यह मानवीय तर्क के साथ अच्छा नहीं है कि तलाक हो जाने के बाद भी व्यक्ति को पूर्व पत्नियों की जिम्मेदारी उठाने के लिए कहा जा रहा है। बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे बहु-धार्मिक देश में, धार्मिक संस्थाओं को अपने स्वयं के कानूनों का पालन करने का अधिकार है, जैसे मुसलमानों के लिए शरिया एप्लिकेशन अधिनियम-1937। बोर्ड ने ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह से संबंधित नए विवादों पर विचार करने के लिए निचली अदालतों की आलोचना की। इसने सुप्रीम कोर्ट से 'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को बरकरार रखने और विरासत मस्जिदों की रक्षा करने का आग्रह किया, साथ ही उन्हें ध्वस्त करने या बदलने के किसी भी प्रयास के प्रति आगाह भी किया।

थोक में हार पर रोती हैं कांग्रेस... फुटकर जीत पर विरोधियों पर निशाना : नकवी

-देश संविधान के आधार पर चलता है, ना कि शरीया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने विभिन्न मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उपचुनाव में इंडिया ब्लॉक को मिली जीत से लेकर मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताने वाले इंडियन मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के रुख पर अपनी बात रखी। नकवी ने कहा, कांग्रेस की स्थिति ऐसी बन चुकी है कि जब थोक में हार होती है, तब ये रोने लगाते हैं, जब फुटकर में जीत होती है, तब खुश होने लगती है। मैं समझता हूं कि कांग्रेस को अब ज्यादा गंभीरता से लेने की जरुरत नहीं है। कांग्रेस को जब किसी चुनाव में हार का सामना करना पड़ता है, तब कांग्रेस ईवीएम और चुनाव आयोग पर इसका ठीकरा फोड़कर रुलाई करने लगेगी, लेकिन अगर फुटकर में कहीं कोई जीत मिल जाए, तब दूसरे राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लेने में मशगूल होगी।

इसके साथ ही बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री नकवी ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के फैसले पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मैं एक चीज देखता हूं कि कुछ लोग संविधान और शरीया के बीच में टकराव पैदा करने की कोशिश करते हैं। देश संविधान के आधार पर चलता है, ना कि शरीया के आधार पर। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता दिए जाने के फैसले की आलोचना की है।

वहीं, बीजेपी नेता ने अमेठी से सामने आए विवादित वीडियो पर भी बात रखी। उन्होंने कहा, इस तरह के लोग मानसिक रूप से रोगी हैं। दरअसल, अमेठी से वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ युवक मुहर्रम के जुलूस के दौरान हिंदुस्तान में रहना है तब या हुसैन कहना है, जैसे नारे लगा रहे थे। वहीं, पुलिस ने वीडियो को संज्ञान में लेने के बाद कार्रवाई तेज कर दी है।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की केस रद्द करने की याचिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने डीके शिवकुमार की आय से अधिक संपत्ति के कथित मामले में उनके खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दर्ज मामले को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा, 'माफ करें। खारिज कर दिया गया।'

इसके बाद डीके शिवकुमार ने कहा कि भी घोटाले भारतीय जनता पार्टी द्वारा बनाए गए हैं। भाजपा का कार्यकाल घोटालों का जनक है, यही कारण है कि जनता ने उन्हें बाहर कर दिया है। अब, हम सब कुछ साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। वे इसे पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि उनके नाम सामने आ जाएंगे। सीबीआई ने सितंबर 2020 में कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जिसमें आरोप लगाया गया कि शिवकुमार ने 2013 और 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से

अधिक संपत्ति अर्जित की, जब वह पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री थे।

सुप्रीम कोर्ट कर्नाटक उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर, 2023 के आदेश के खिलाफ डीके शिवकुमार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। शिवकुमार ने एफआईआर को अदालत में चुनौती दी और कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2023 में उनकी याचिका खारिज कर दी, और सीबीआई को तीन महीने के भीतर जांच पूरी करने और रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। इसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा एकत्र किए गए भारी दस्तावेजों पर ध्यान दिया और याचिका खारिज कर दी।

मायावती की हरियाणा में भाई-भतीजे को आजमाने की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। मायावती अपने सबसे बड़े 'घर' उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी हार के पश्चात बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी में बहुत कुछ बदल दिया है। लगता है डोर अब 'बैक डोर' से पार्टी की कमान संभालेंगी और उनके भाई आनंद कुमार और भतीजा आनंद आकाश फ्रंट में आकर बहन मायावती के सियासी अरमानों को पूरा करेंगे। इसकी शुरुआत हरियाणा से होती दिख रही है। इन दोनों नेताओं का हरियाणा में स्ट्राइक रेट अच्छा रहा तो बहन मायावती यूपी के लिए भी इनके 'दरवाजे' खोल सकती हैं। हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव में बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार और नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की भी परीक्षा होगी। लंबे अरसे के बाद मायावती के भाई आनंद कुमार राजनीति में दोबारा सक्रिय हुए हैं, तो

वहीं दूसरी ओर उनके बेटे आकाश आनंद ने भी लोकसभा चुनाव के बाद फिर से वापसी की है।

सूत्रों की मानें तो बसपा अध्यक्ष मायावती ने कांशीराम के जमाने से चली आ रही इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और बसपा की दोस्ती को आगे बढ़ाने का जिम्मा दोनों को सौंपा है। यही वजह है कि इनेलो के साथ गठबंधन की औपचारिक घोषणा भी आनंद कुमार और आकाश आनंद की मौजूदगी में की गयी। हरियाणा चुनाव में बसपा के 37 प्रत्याशियों के चयन का जिम्मा भी उन्हें ही सौंपा गया है। विधानसभा चुनाव के प्रचार की शुरुआत के बाद मायावती की इनेलो नेताओं के साथ संयुक्त रैलियों का खाका तैयार करने का जिम्मा आकाश आनंद को दिया गया है। यदि आकाश की रणनीति को सफलता मिलती है तो यूपी में उनकी नई सियासी पारी का आगाज हो सकता है।

बता दें कि हरियाणा में बसपा के संस्थापक कांशीराम की चौधरी देवीलाल से मित्रता रही है। पहले भी दोनों दल गठबंधन करके चुनाव लड़ चुके हैं। लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा को हरियाणा चुनाव से खासी उम्मीदें हैं। जानकारों की मानें तो मायावती ने इसी वजह से आनंद कुमार और आकाश को हरियाणा चुनाव की कमान सौंपी है ताकि दोनों की सियासी जमीन को मजबूत किया जा सके।

अनंत की शादी में बम की धमकी, संदिग्ध को तलाशने में जुटी पुलिस

मुंबई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में बम की धमकी देने वाले की तलाश तेज हो गई है। पुलिस उस एक्स हैंडल के बारे में जानकारी जुटा रही है, जिससे यह धमकी दी गई थी। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक संदिग्ध पोस्ट की गई थी, जिसमें 'अंबानी की शादी में एक बम' लिखा था। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस को इस बारे में जानकारी थी, लेकिन यह एक हॉक्स था। एक्स पर संदिग्ध पोस्ट की गई थी। इसमें लिखा था, ''मेरे दिमाग में एक बेहद शर्मनाक ख्याल आया है। अगर अंबानी की शादी में एक बम आ जाए, आधी दुनिया इधर की उधर हो जाएगी। कई अरब डॉलर सिर्फ एक पिन कोड में।।. इस पोस्ट के बारे में जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई थी। पुलिस ने कोई एफआईआर तो नहीं दर्ज की है, लेकिन 13 जुलाई को एक्स पर यह पोस्ट करने वाले शख्स की तलाश तेज है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि आखिर इसके पीछे शख्स का मकसद क्या था। इस पोस्ट को देखते हुए पुलिस ने वेडिंग वेन्यू पर सुरक्षा इंतजाम काफी तगड़े कर रखे थे। बीकेसी के अलावा रिसेप्शन वाली जगह पर भी सिक्योरिटी टाइट थी। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि इस मैसेज को तो वैसे हॉक्स के तौर पर लिया गया है, लेकिन सोशल मीडिया पोस्ट देखने वाली टीम मामले की गहराई से छानबीन करेगी। पुलिस को शनिवार को इस पोस्ट के बारे में पता चला था।

कांग्रेस के दो योद्धाओं ने बदल दिया हिमाचल का समीकरण, सुरक्षित हो गई सुक्खू सरकार

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव का रिजल्ट आने से सुक्खू सरकार ने राहत की सांस ली है। यहां दो सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली है। जबकि एक सीट भाजपा के पाले में गई है। बीते पांच महीनों से सुक्खू सरकार पर चला आ रहा संकट टल गया है। हालांकि, क्या अब भी बीजेपी फिर से सुक्खू सरकार की सत्ता का खेल बिगाड़ सकती है। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुक्खू की सरकार से राजनीतिक संकट दूर हो गया है। यहां साल 2022 में हुई विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 40 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी और बीजेपी को सत्ता से बाहर कर दिया था। इसके ठीक डेढ़ साल बाद राज्यसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस 6 विधायक बागी निकल गए। उन्होंने पार्टी के खिलाफ वोट कर दिया और बीजेपी कैंडिडेट हर्ष महाजन को वोट दिया। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ अभिषेक मनू सिंघवी चुनाव हार गए। राज्यसभा चुनावों के बाद हिमाचल में सियासी संकट पैदा हो गया था।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की कुल 68 सीटें हैं। इसमें अब 40 पर कांग्रेस के विधायक हैं, तो वहीं बीजेपी के 28 विधायक हैं। कांग्रेस की इस जीत के बाद सीएम सुक्खू को मजबूत नेता के तौर पर देखा जा रहा है। अब हिमाचल प्रदेश विधानसभा में तस्वीर बदल जाएगी। पहले सदन में तीन निर्दलीय विधायक थे। अब नए विधायक जीत कर विधानसभा पहुंच गए हैं। सदन में पूरा सीटिंग प्लान ही बदल जाएगा। हालांकि सीएम सुक्खू गृह जिला हमीरपुर की सीट पर हार गए। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र वर्मा की हार हुई है। इससे सीएम सुक्खू की लोकप्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। बागी विधायकों ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया था। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी थी। इसके बाद बीजेपी के पास कुल 34 विधायक हो गये थे। फिर लोकसभा चुनावों के साथ ही इन छह सीटों पर उपचुनाव हुआ। इसमें कांग्रेस 4 सीटों पर जीत गई थी। जिसके बाद कांग्रेस विधायकों की संख्या 38 हो गई थी। बीजेपी दो सीटें जीत गई थी। उनके विधायकों की संख्या भी 27 हो चुकी थी। एक बार फिर सियासत डोल गई जब तीन निर्दलीय विधायकों

ने विधानसभा से इस्तीफा दिया। इसी वजह से तीन सीटों पर उप चुनाव हुआ। इसका रिजल्ट बीते शनिवार को आया। जिसमें कांग्रेस ने दो सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा केवल एक ही सीट जीत पाई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)